

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

सितम्बर 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:

Unit C2, Thames View Business
Centre, Barlow Way Rainham-Essex,
RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)8001310604

SOUTH AFRICA:

303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.: +27 11 326 0971

USA:

Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1(800) 620-8522

CANADA:

LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.: +1 416-667-9191

NIGERIA:

Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregon,
Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: +234 1 8888186

www.rhapsodyofrealities.org

[email: rorcustomercare@loveworld360.com](mailto:rorcustomercare@loveworld360.com)

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २११९, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृद्धि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासों में असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुड़ते हैं।

वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करें-

- हर लेख को पढ़ो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओं और घोषणाओं को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे हैं, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढ़ो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडों को दो भागों में भी बाँट सकते हैं - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यों को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते हैं।

हम आपके परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते हैं, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते हैं! हम आपसे प्रेम करते हैं! परमेश्वर आपको आशिष दे!

व्यक्तिगत जानकारी

नाम: _____

पता: _____

टेलीफोन: _____

Mobile: _____

E-mail address: _____

Business address: _____

Goals for the Month: _____

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org



मंगलवार 1

मसीह के लिए जीओ



मैं आज आकाश और पृथ्वी दोनों को तुम्हारे सामने इस बात की साक्षी बनाता हूँ, कि मैं ने जीवन और मरण, आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा है; इसलिये तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहे

(व्यवस्थाविवरण ३०:१९)।

ऐसे मसीही है जो रैपचर के विषय में चिड़चिड़ाते हैं, वे उनकी अनंत सुरक्षा के विषय में अनिश्चित हैं। परमेश्वर नहीं चाहता है कि हम इस तरह के डर या व्याकुलता में जीएं। सच्चाई यह है कि अनंत सुरक्षा उस व्यक्ति के लिए वास्तविक है जो नया जन्मा है, किंतु यह आपके मसीह—जीवन जीने पर निर्भर है, आखिर तक उसकी सत्यनिष्ठा में जीने पर।

उदाहरण के लिए अगर एक नया जन्मा व्यक्ति थोड़े समय बाद यीशु के पीछे चलने के विषय में अपने मन को बदल लेता है, तो इस तरह का व्यक्ति परेशानि में होगा, क्योंकि उसकी अनंत सुरक्षा परमेश्वर के साथ खतरे में होगी। जब आप नए जन्मे हैं, तो आप परमेश्वर की उपस्थिति में जन्मे हैं; आप परमेश्वर की उपस्थिति में जीते हैं। वह आपका रक्षक है। वह आपको बचाकर रखता है, और वचनो के अनुसार कोई भी आपको उसके हाथ से छुड़ा नहीं सकता।

किंतु, जीवन चुनावो से भरा हुआ है। आप ही को यह चुनाव करना है कि आप निरंतर उसके लिए जीएंगे। जब परमेश्वर हमें निर्देशित करता है, तो वह हमें विकल्पो को देता है, और फिर वह हमें बताता भी है कि क्या चुनना है। किंतु वह हम पर दबाव नहीं बनाता है कि हम किन चुनावो को करें, यद्यपि वह हमें समझाता है कि गलत चुनावो के परिणाम क्या होंगे।

इसलिए आपको क्या करना है कि आप उसके वचन के अनुसार जीएं। यह सबसे सरल काम है। जब आप नए जन्मे हैं, तो मसीह के लिए जीना आपके लिए सबसे स्वाभाविक काम है क्योंकि आपके अंदर मसीह का नया स्वभाव है। सही जीना आपके लिए इतना स्वाभाविक है कि आपको गलत करने के लिए लुभाया जाना पड़ता है। यहीं पर पवित्र आत्मा की सेवकाई भी काम में आती है। पवित्र आत्मा मसीह जीवन को जीने में आपकी

सहायता करता है, और उसके साथ अपने जीवन में आपको कभी भी इस बात की चिंता नहीं करनी होगी कि आप रास्ते से चूक जाएँगे।

किंतु बाइबल कहती है, “अब जो तुम्हें गिरने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है” (यहूदा १:२४)। जैसे ही आप प्रभु के लिए जीते हैं, पूर्ण आश्वासन के साथ जुझारु रूप से उसकी सेवा करते हुए, वह आपके जीवन में उसके उद्देश्य और उसकी सेवकाई को पूरा करेगा।

घोषणा

मैं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीता हूँ, मसीह यीशु में मेरी सेवकाई और बुलाहट को पूरा करते हुए। मैं किसी भी वस्तु को प्रभु और उसके अनंत राज्य से मेरा ध्यान दूर नहीं करने देता हूँ। मैं काम में धीमा नहीं हूँ, मैं आत्मा में जुझारु हूँ, प्रभु की सेवा करते हुए ताकि मैं अपने काम और उस सेवकाई को आनंद के साथ पूरा कर सकूँ जो मैंने प्रभु यीशु से ग्रहण की है, और परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की गवाही दे सकूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 1:5-11; २ कुरुस्थियो 5:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुस्थियो 15:35-58 & नीतिवचन 8-9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ थिस्सलुनीकियो 2:10-20 & यिर्मयाह 18



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



बुधवार 2

आपका विश्वास एक औजार है



तब उसने उनसे कहा, तुम्हारा विश्वास कहाँ है? पर वे डर गए और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे, यह कौन है जो आँधी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते है (लूका ८:२५)।

यीशु एक दिन अपने चेलो के साथ नाव में था, और एक तूफान आया। चеле घबरा गए और बाइबल कहती है, “तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया, और कहा, स्वामी! स्वामी! हम नाश हुए जाते हैं। तब उसने उठकर आँधी को और पानी की लहरों को डाँटा और वे थम गए और चैन हो गया” (लूका ८:२४)।

स्वामी चेलो की ओर घूमा और उनसे एक बहुत ही उचित सवाल पूछा: “तुम्हारा विश्वास कहाँ है?” यह जीवन में बड़ा सवाल है। अपने विश्वास के साथ, आप कुछ भी कर सकते हैं; आप पर्वतों को हिला सकते हैं; आप महान परिणामों को पा सकते हैं। विश्वास एक औजार है। इसको इस्तेमाल कीजिए। अगर आप अपने विश्वास को इस्तेमाल करना सीख लेंगे, तो आप हर दिन विजयी रूप से जीएँगे।

सहायता के लिए चिल्लाना बंद कर दीजिए! अपने जीवन को महिमामय बनाने के लिए अपने विश्वास को इस्तेमाल कीजिए। अपने विश्वास के साथ, आप कैंसर, डायबिटीज और हृदय की परेशानियों को नष्ट कर सकते हैं। आप अपने जीवन की परिस्थितियों को बदल सकते हैं! इसलिए अपने विश्वास को बनाईये। एक चुनाव कीजिए अपने विश्वास को पोषित करने का, परमेश्वर के वचनों को सीखकर और उनके द्वारा जी कर।

बाइबल परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों के द्वारा दिए गए दैवीय दर्शनों का एक संग्रह है; और यह संदेश बार बार प्रमाणित किया जा चुका है। आपके स्वास्थ्य, परिवार, धन, नौकरी, पढ़ाई लिखाई या सेवकाई में चुनौतियों के बावजूद, आप परमेश्वर में अपने विश्वास को बढ़ाकर और इसको हर दिन काम पर रखकर महिमामय रूप से प्रबलता पा सकते हैं। याद रखिए, हमारा विश्वास ही वह विजय है जो विश्व पर जय पाता है (१ यूहन्ना ५:४)।

घोषणा

मेरे विश्वास के साथ, मैं निरंतर अपने जीवन को महिमा और श्रेष्ठता के रास्ते में बनाता हूँ, विजय, सफलता, आनंद, स्वास्थ्य और समृद्धि के जीवन को जीता हुआ जो परमेश्वर ने मेरे लिए अभिषिक्त किया है। मैं इस जीवन में घाटे में होना या सहायताहीन होना अस्वीकार करता हूँ; वचन में मेरा विश्वास प्रभावी है और प्रबल हो रहा है। परमेश्वर की स्तुति हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 5:4; इब्रानियों 10:38-39; मत्ती 17:20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुथियों 16:1-24 & नीतिवचन 10-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ थिस्सलुनीकियों 3:1-13 & यिर्मयाह 19-20



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



गुरुवार 3

एक व्यक्तिगत प्रार्थना की संस्कृति बनाईये



तब उस समय तुम मुझ को पुकारोगे और आकर मुझ से प्रार्थना
करोगे और मैं तुम्हारी सुनूँगा
(यिर्मयाह २९:१२)।

प्रभु ने हमें प्रार्थना के लिए बुलाया है क्योंकि उसने उत्तर देने की योजना बनाई है। इसलिए महत्वपूर्ण है कि आपके पास प्रार्थना के लिए एक योजना हो। अगर आपके पास प्रार्थना के लिए एक योजना नहीं है, तो आप शायद ही प्रार्थना करेंगे। ऐसी बहुत सारी गतिविधियाँ हैं जो आपके समय को खा सकती हैं और आपको प्रार्थना करने से रोक सकती हैं। आपको सोच समझ कर प्रयास करने पड़ेंगे एक प्रार्थना की संस्कृति और अनुशासन को बनाने के लिए। आप याद दिलाने के लिए अलार्म को भी इस्तेमाल कर सकते हैं। प्रार्थना करने के लिए कभी भी बहुत व्यस्त मत हो जाइये।

प्रार्थना तभी नहीं होती है जब आपको परमेश्वर से कुछ चाहिए। प्रार्थना परमेश्वर के साथ वह सहभागिता है जहाँ पर आप उसके साथ और उससे बात करते हैं, और अपनी आत्मा में उस पर ध्यान देते हैं, वह सुनने के लिए जो वह आपसे कहना चाहता है। हर मसीही के पास इस तरह के समय अवश्य ही होने चाहिए।

अगर आप इसको लगातार करने में चुनौति पाते हैं, तो आप परमेश्वर से पूछ सकते हैं कि वह आपकी सहायता करे अपनी व्यक्तिगत प्रार्थना की सारणी को बनाने में। इसको नकारिये मत। संयुक्त प्रार्थना के समय होते हैं जहाँ पर आप प्रार्थना प्रोग्रामो और सभाओं में सहभागिता करते हैं, शायद अपने चर्च में या सेल ग्रुप में, किंतु यह आपके व्यक्तिगत प्रार्थना समय से बिल्कुल अलग है।

कोई शायद कहे, “मैं हफ्ते में एक बार प्रार्थना करता हूँ, ना कि हर दिन।” नहीं, यह पर्याप्त अच्छा नहीं है। हर दिन के लिए एक प्रार्थना की सारणी बनाईये, क्योंकि यह आपकी हर दिन सहायता करता है एक आत्मिक चेतना बनाने में। फिर आप आश्चर्य कर सकते हैं कि, “मैं कितने लंबे समय तक प्रार्थना करूँ?”

यह किसी का काम नहीं है कि वह आपके लिए निर्धारित करे कि आप कितने लंबे समय तक प्रार्थना करें, किंतु प्रार्थना में आप जान जाएँगे कि जो आप कर रहे हैं वह काफी है या नहीं, क्योंकि यह आपके और प्रभु के बीच में एक संबंध है। अगर आपको लगता है कि आप पर्याप्त प्रार्थना नहीं कर रहे हैं, तो और समय जोड़ दीजिए। सच्चाई यह है,

जितना अधिक समय आप प्रार्थना में बिताते हैं, उतना ही यह आपके लिए सहायक होता है, क्योंकि इस सच्चाई के अतिरिक्त कि आप प्रभु से बात कर रहे हैं, आपकी आत्मा में बढ़ाव भी होता है जो आप अपनी प्रार्थना से ग्रहण करते हैं। ना केवल यह, आपकी आत्मा की शिक्षा भी होती है। कोई भी आपको पवित्र आत्मा की तरह नहीं सीखा सकता। उस प्रार्थना के वातावरण में, वह आपको सीखाता है; वह आप तक जानकारी लाता है जो आपको प्रकाशित और निर्देशित करती है। परमेश्वर की महिमा हो !

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं प्रार्थना के द्वारा आपके साथ निरंतर सहभागिता के अवसर के लिए आभारी हूँ। मेरे पास प्रार्थना करने का अनुशासन है और ठीक अभी मैं पूरे विश्व में खोई हुई आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूँ कि उनका हृदय खुला होगा मसीह के सुसमाचार को ग्रहण करने के लिए और उद्धार पाने के लिए। इसके अतिरिक्त, मैं प्रार्थना करता हूँ उन मसीहों के लिए जो उनके शरीरों में बीमार हैं, कि उनकी चंगाई, पुर्ननिवास और स्वास्थ्य की भावना के लिए महान अनुग्रह उनकी ओर निर्देशित होगा, प्रभु यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 18:1; यहूदा 1:20; इफिसियो 6:18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुथियो 1-2:1-4 & नीतिवचन 12-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ थिस्सलुनीकियो 4:1-8 & यिर्मयाह 21



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शुक्रवार 4

अपने आपको वचन के द्वारा देखिए



अतः अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं। (क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं (रोमियो ८:१)।

हमारे आरंभिक वचन में आत्मा पौलुस प्रेरित के द्वारा हमें यह नहीं बता रहा है कि दो तरह के समुदाय हैं: मसीह यीशु में वे लोग जो शरीर के अनुसार चलते हैं, और मसीह यीशु में वे लोग जो शरीर के अनुसार नहीं चल रहे हैं। उसकी बातचित का सार यह नहीं है; वरन्, वह आपको एक चित्र दिखा रहा है कि आप वास्तव में हैं कौन।

जब आप नये नियम को पढ़ेंगे और समझेंगे, तो आप ध्यान देंगे जिसको हम कहते हैं, “दर्पण का सिद्धांत”; परमेश्वर का वचन एक दर्पण है। आप वह हैं जो आप वचन में देखते हैं (२कुरिंथियो ३:१८)। इसलिए, हमारे आरंभिक वचन को पढ़कर यह धारणा मत बना लीजिए कि आप दंड से बचे हुए नहीं हैं या कि आप अभी भी “शरीर में चल रहे हैं” क्योंकि आप कुछ बार गलती करते हैं; नहीं!

उसी अध्याय का नौवाँ वचन पढ़िए; यह इसको स्पष्ट करता है, “परन्तु जब कि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं परन्तु आत्मिक दशा में हो...” (रोमियो ८:९)। यह परमेश्वर बात कर रहा है! जब वह उन लोगों को परिभाषित करता है जो मसीह यीशु में शरीर के अनुसार नहीं चलते हैं वरन् आत्मा के अनुसार, तो वह आपकी बात कर रहा है।

इसलिए, अपने आपको वचन के द्वारा देखिए। अब जब कि आप नये जन्मे हैं, आपके लिए कोई दंड की आज्ञा नहीं है। जब आप इसको समझते हैं और इसके अनुसार जीते हैं, तो आप कभी भी अपनी पाप की आदतों, बुरे विचारों के साथ, या शरीर के कामों के साथ संघर्ष नहीं करेंगे। बाइबल कहती है, “तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी” (रोमियो ६:१४); इसलिए अपने आपको ऐसे देखिए जैसे परमेश्वर आपको देखता है।

परमेश्वर जानता है कि अगर आपने अपने आपको उस तरिके से देखा होता जिस तरिके से वह आपको देखता है, तो आपने उसके अनुसार कार्य किया होता। उसको मान लीजिए जो उसने आपको बनाया है—मसीह यीशु में उसकी सत्यनिष्ठा—और उस प्रकाश में चलिए। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मैं परमेश्वर की एक संतान हूँ, और मेरी आत्मा में परमेश्वर का स्वभाव है। मैं परमेश्वर के सामने निर्दोष हूँ, बिना हीन भावना के, डर के, तिरस्कार के या दंड के। पाप की मेरे ऊपर कोई प्रभुता नहीं है और मैं किसी भी बंधन के जुएं में नहीं फँस सकता। मैं मेरी सत्यनिष्ठा के स्वभाव के लिए सचेत हूँ और उसके अनुसार चलता हूँ। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 6:11-15; रोमियो 8:2-4; गलतियो 2:20-21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 2:5-3:1-6 & नीतिवचन 14-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ थिस्सलुनीकियो 4:9-18 & यिर्मयाह 22



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शनिवार 5

सुसमाचार के साथ लगे रहिए



हम चारों ओर से क्लेश तो भोगते हैं, पर संकट में नहीं
पड़ते; निरुपाय तो हैं, पर निराश नहीं होते
(२कुरिंथियो ४:८)।

जो मसीह आज हमारे पास है वह सोने की थाली में नहीं आई थी। अगर आप मसीही शहीदों के बारे में पढ़ेंगे, तो आप खोजेंगे कि बहुत से लोग मारे गए, उनके सिर काटे गए थे, मसीह में उनकी गवाही के कारण। एक बार, करीब छः हजार लोग यीशु मसीह में उनके विश्वास के कारण मार डाले गए थे, और वे सैनिक थे। उन्होंने सुसमाचार में पूरे हृदय से भरोसा किया था, और कुछ भी उन्हें नहीं रोक सकता था, उसी विश्वास को अगले वंश तक ले जाने के लिए जो उन्होंने ग्रहण किया था।

इन सारे वर्षों में शायद आपके पास प्रभु की आराधना करने की स्वतंत्रता थी, चर्च में उसकी स्तुति करने की, कूसेडो में जाने की और जीवन बदलने वाली सभाओं में सहभागिता करने की, वह आजादी बहुत संघर्ष, प्रार्थनाओं, पसीने, आँसू, लहू, विश्वास, दृढसंकल्प और दूसरे पुरुषों और महिलाओं के उत्साह के द्वारा आई जिन्होंने सुसमाचार के लिए अपना जीवन दौंव पर लगा दिया। ना केवल वे सताए गए, बहुतों को जिंदा गाड़ दिया गया। कुछ लोगों को दो भागों में काट दिया गया; बहुत उग्र रूप से वे मार दिए गए, यीशु मसीह में उनके विश्वास के कारण।

बहुत से देशों में आज भी मसीहों का सताव हो रहा है। कुछ देशों में जमाव शिविर है जहाँ पर मसीहों को कठिन और भयंकर कष्ट दिया जाता है, यीशु में उनके विश्वास के कारण। हाल ही की एक सरकारी रिपोर्ट दिखाती है कि विश्व में मसीही सबसे ज्यादा सताए गए लोग हैं।

मैं यह बात आप लोगों को इसलिए बता रहा हूँ ताकि आप समझ जाएं कि जो विश्वास यीशु मसीह में हमारे पास है, मसीह का वो संदेश जिसमें हमने विश्वास किया है, यह हर वस्तु के योग्य है। सतावों के बावजूद, हम से पहले के लोगों ने उनके विश्वास को बनाये रखा और सुसमाचार के साथ लगे रहे। और हमारे दिनों में भी ऐसा अवश्य ही होना चाहिए।

इसलिए अंतर नहीं पड़ता है कि आपके देश या शहर में क्या हो रहा है, मसीह के साथ बने रहिए। हिलीए डुल्लिए मत। जैसा कि हम ने आरंभिक वचन में पढ़ा, हम हार नहीं मानते हैं, हम भागते नहीं हैं। मौसम में और बेमौसम में वचन का प्रचार कीजिए। कुछ भी

इतना भयानक या भयभीत करने वाला नहीं होना चाहिए कि आप शांत हो जाए, क्योंकि जो आपमें है वह उन सारे शत्रुओं से और विश्व की परेशानियों से बड़ा है। हलालूयाह!

घोषणा

चुनौतियों, संकटों, सतावों, और विश्व के कष्टों के बावजूद, मैं उसमें जयवंत से बढ़कर हूँ जिसने मुझे से प्रेम किया— मसीह यीशु में— मेरा प्रभु! मैं आश्वस्त हूँ ना तो मृत्यु, ना जीवन, ना स्वर्गदूत, ना प्रधानताएँ, ना ताकते और ना ही कोई वस्तु मुझे प्रभु के प्रेम से अलग कर सकती है, जो मसीह यीशु में मेरे पास है। मैं अटल, अविचलित और विश्व के अंत तक सुसमाचार को फैलाने के काम में हमेशा तेजी से लगा रहता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियों 8:35-39; १ थिस्सलुनीकियों 3:7-8 NLT

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुथियों 3:7-4:1-18 & नीतिवचन 16-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ थिस्सलुनीकियों 5:1-11 & यिर्मयाह 23



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



रविवार 6

चर्च परमेश्वर का खजाना है



और मैं भी तुझ से कहता हूँ कि तू पतरस है, और मैं इस पत्थर पर अपना चर्च बनाऊँगा; और नरक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे (मत्ती १६:१८)।

मत्ती १३:४४ में यीशु ने कहा, “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए खजाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने पाया और छिपा दिया, और मारे आनन्द के जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को खरीद लिया”। यीशु ने पूरा खेत खरीद लिया उस खेत के खजाने के कारण। वह खजाना चर्च है, और वह खेत विश्व है।

यीशु ने पूरा विश्व खरीद लिया उसके स्वयं के लहू का दाम चुकाकर, चर्च के कारण; उसने सब कुछ दे दिया। यह हमें बताता है कि शैतान क्या चाहता है। जब वह विश्व में परेशानि को बनाता या उत्साहीत करता है, तो उसकी आँखें परमेश्वर के बच्चों पर लगी रहती है, चर्च पर। उसका आखिरी का खेल हमेशा यीशु मसीह के चर्च के पीछे जाना ही होता है। वह पूरी तरह से इसके खिलाफ है कि परमेश्वर के लोग परमेश्वर की सेवा और आराधना मुक्त रूप से करें। किंतु वह एक असफलता है।

क्यों शैतान चर्च के इतने विरोध में है? यह इसलिए है क्योंकि चर्च - आप और मैं- के पास वह है जिसके पीछे शैतान शुरू से ही लोभ करता था। उसने कहा था, “मैं परमप्रधान प्रभु की तरह हो जाऊँगा” (यशायाह १४:१४), किंतु वह नहीं हो सका। वरन, वह स्वर्ग से लात मारकर भगा दिया गया। फिर उसने खोजा कि चर्च, जो यीशु मसीह ने बनाया, परमेश्वर के नाम में चलेगा, परमेश्वर के सिंहासन पर बैठेगा— उसकी गद्दी पर- परमेश्वर के साथ!

आज हम परमेश्वर के साथ एक है मसीह के प्रेम के कारण। यीशु ने कहा, मैं अपनी कलिसीया बनाऊँगा, और नरक के फाटक इसके विरोध में प्रबल नहीं होंगे। यह एक सच्चाई है जो तोड़ी नहीं जा सकती। हालेलूयाह! ब्रम्हांड में ऐसा कोई बल नहीं है जो चर्च के विरोध में खड़ा हो सकता है। चर्च को केवल एक संस्था की तरह मत देखिए; यह यीशु मसीह का पवित्र शरीर है— उसके महान मूल्य का मोती।

घोषणा

यीशु मसीह का चर्च महान महिमा, महान योग्यता और बेरोक प्रभाव के साथ महान प्रभाव पैदा कर रहा है। हम शैतानो को कोई स्थान नहीं दें रहें हैं, क्योंकि जो हमारे अंदर है वह उससे बड़ा है जो इस विश्व में है। और पूरे विश्व में मसीही सचेत है निरंतर शैतान की सारी चालाकियों और षड्यंत्रों को बेकार करने के लिए जो वह चर्च के विरोध में बनाता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

निर्गमन 19:5; थीतुस 2:14; १ पतरस 2:9 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 5:1-6:1-2 & नीतिवचन 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ थिस्सलुनीकियो 5:12-28 & यिर्मयाह 24



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



सोमवार 7

रैपचर पहले से कहीं ज्यादा निकट है



तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे कि हवा में प्रभु से मिलें; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे (१ थिस्सलुनीकियो ४:१७)।

आत्मा के द्वारा, पौलुस प्रेरित को चर्च के रैपचर का दर्शन मिला और उसने कहा, “देखो मैं तुम्हें एक भेद दिखाता हूँ...” (१ कुरिंथियो १५:५१)। यही कारण है कि बहुत से लोग रैपचर को नहीं समझते हैं; यह एक भेद है; दैविय दर्शन। उसने कहा, “...हम सब नहीं सोएँगे, परन्तु सब बदल जाएँगे, और यह क्षण भर में, पलक मारते ही अन्तिम तुरही फूँकते ही होगा। क्योंकि तुरही फूँकी जाएगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे” (१ कुरिंथियो १५:५१-५२)।

रेखांकित भाग दिखाता है कि रैपचर कितनी शीघ्रता से होगा; यह इतना तेज होगा कि जो लोग तैयार नहीं थे उनके पास कोई समय नहीं होगा, क्योंकि यह एक ऐसी वस्तु है जिसके लिए आप पूरी जिंदगी तैयार रहते हैं।

हमारे आरंभिक वचन में, हम एक शब्द देखते हैं जो कि शब्द “रैपचर” के साथ समानार्थी है; यह एक कथन है, “उठा लिये जाएँगे” जो कि ग्रीक शब्द “ह्यारपाजो” से है। इसका मतलब है पकड़ लेना, नियंत्रण ले लेना, उठा लेना, तोड़ लेना, खींच लेना, और बलपूर्वक ले जाना।

रैपचर के समय, इससे अंतर नहीं पड़ेगा कि आप कहाँ हैं, परमेश्वर की सामर्थ्य आपको इस विश्व से खेंचकर ले जाएगी। जो मसीही मर चुके हैं वे पुर्नजीवित हो जाएँगे, और उनके साथ, हम बादलो पर उठा लिए जाएँगे प्रभु से मिलने के लिए। वह कितना सुहाना दिन होगा!

यह कब होने वाला है? यह पहले से कहीं ज्यादा निकट है; यह कभी भी शीघ्र हो सकता है। आपकी जिम्मेदारी है कि आप इसके लिए तैयार हो जाएँ अपना जीवन हर दिन प्रभु के लिए जी कर। प्रेम में चलते रहिए, और आपका विश्वास शुरु हो जाएगा कि आप प्रभु के दिखने पर उसके साथ उठा लिये जाएँ।

बाइबल कहती है कि वह एक ऐसे चर्च के लिए आ रहा है जिसमें ना कलंक, ना

झुरी, न कोई और ऐसी वस्तु हो (इफिसियों ५:२७)। हर दिन, अपने जीवन का हर क्षण उसकी सत्यनिष्ठा में जीएँ, सत्यनिष्ठा के कामो और फलो को पैदा करते हुए।

घोषणा

प्रभु यीशु बिना कलंक, बिना झुरी, न कोई और ऐसी वस्तु के चर्च के लिए आ रहा है, और मैं तैयार हूँ। मेरा विश्वास क्रियाविंत है प्रभु के साथ हमेशा के लिए उठाए जाने के लिए! और जब मैं इस महिमामय “उठाए जाने” की आशा कर रहा हूँ, मेरा जीवन और मेरा उत्साह उसके राज्य और इसके विस्तार के लिए है, मेरे द्वारा बहुत से लोग रैपचर के लिए तैयार हो रहे हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ थिस्सलुनीकियों 4:16-17; १ यूहन्ना 2:28; मत्ती 24:27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुथियों 6:3-7:1 & नीतिवचन 20-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ थिस्सलुनीकियों 1:1-12 & यिर्मयाह 25



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

कि
प्र
रि

टिप्पणी

वि



मंगलवार 8

हम पृथ्वी पर यात्री है



यदि तुम संसार के होते, तो संसार अपनों से प्रेम रखता; परन्तु इस कारण कि तुम संसार के नहीं, वरन् मैं ने तुम्हें संसार में से चुन लिया है, इसी लिये संसार तुम से बैर रखता है
(यूहन्ना १५:१९)।

एस्तेर के दिनो में, यहूदी एक अंजाने देश में बहुत सहज हो गए थे; उनके बंधन का एक देश। उन्होंने उस देश में आजादी का आनंद उठाया और आराम से थे, जब तक कि हमान, राज्य का एक प्रभावशाली किंतु दुष्ट मनुष्य (और राजा का मित्र भी), ने उनको समाप्त करने की नही सोची।

रानी एस्तेर, जो कि हमान की नफरत और यहूदियों को नष्ट करने की उसकी तीव्र इच्छा से पूरी तरह से अज्ञान थी, को उसके चाचा से एक बहुत ही हृदयस्पर्शी संदेश मिला, मोर्दैकै से, हमान की दुष्ट योजना के विषय में। उसने शीघ्रता से हस्तक्षेप किया और पूरे देश में प्रार्थना और उपवास का बुलावा दिया (एस्तेर ४:१६)। निश्चित ही, परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना को सुना और उन्हें उस दुष्ट हमान के हाथों से छुड़ाया।

कुछ बार, आप पृथ्वी पर आजादी का इतना आनंद उठा सकते हैं कि आप भूल जाते हैं कि आप एक “अंजाने देश में हैं”, पृथ्वी पर एक यात्री हैं। यह बहुतों के साथ हो चुका है; उन्होंने गंतव्य की जगह यात्रा पर ज्यादा केंद्र लगाया है। बहुत से मसीही ढीले हो गए हैं, बह गए हैं, और इस विश्व के द्वारा ध्यानभंगित हुए हैं। फिर भी यीशु ने कहा, “यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा?” (मरकुस ८:३६)।

अपने हृदय को प्रभु पर होने दीजिए; परमेश्वर के राज्य की ऊँची वस्तुओं को आपको कार्य करने के लिए उत्साहीत करने दीजिए। आत्माएँ जीतीं। प्रार्थना कीजिए और सतर्क रहिए जैसा यीशु ने करने को कहा। अपने देश के लिए प्रार्थना कीजिए कि सुसमाचार वहां पर मुक्त रूप से फैलेगा और स्वीकारा जाएगा।

ऐसे देश हैं जहाँ पर सालो पहले सुसमाचार तेजी से आगे बढ़ रहा था, किंतु आज उन्हीं देशों ने सुसमाचार के प्रचार को मना कर दिया है, और वहां पर मसीहो का बहुत सताव हो रहा है। क्या हो गया? उत्तर सरल है: उन देशों के मसीही ने वह नही किया जो यीशु ने करने को कहा था, “सतर्क रहो और प्रार्थना करो...” (मती २६:४१)।

हमें हमारे उद्देश्य को हमेशा याद रखना चाहिए; यहां पर हमारे होने के कारण को, और यह एक समय के लिए ही है। हम मसीह के राजदूत हैं, इस पृथ्वी पर स्वर्ग से आत्माओं के उद्धार के लिए भेजे गए। इसलिए जैसा कि बाइबल कहती है, “...स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह विद्यमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है। पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ” (कुलुस्सियों ३:१-२)।

घोषणा

मैं स्वर्ग से हूँ, और मैं इसके लिए सचेत हूँ। सेवकाई के लिए अवसरो के दरवाजे पूरे विश्व में खुले हुए हैं, और परमेश्वर के बच्चों को शब्द दिए जा रहे हैं कि वे बिना रुके मसीह के सुसमाचार की घोषणा कर रहे हैं, सामर्थ में और प्रभावशीलता के साथ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितों के काम 26:16; कुलुस्सियों 4:2-4; इब्रानियों 11:13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुस्थियों 7:2-16 & नीतिवचन 22-23

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियों 2:1-10 & यिर्मयाह 26



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



बुधवार 9

झूठे शिक्षको से सावधान रहिए



जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे, उसी प्रकार तुम में (उन दिनों में) भी झूठे शिक्षक भी होंगे, जो नाश करने वाले पाखण्ड (खतरनाक विरुद्ध मत) का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे, और उस स्वामी का जिसने उन्हें मोल लिया है इन्कार करेंगे, और अपने आप को शीघ्र विनाश में डाल देंगे (२ पतरस २:१ ए.एम.पी.सी)।

जिस तरिके से झूठे भाई और झूठे भविष्यद्वक्ता होते हैं जो परमेश्वर के घर में परेशानियों को पैदा करते हैं, वैसे ही झूठे शिक्षक भी होते हैं। ऐसे लोग हैं जो अपने साथ शिक्षक की सेवकाई को जोड़ते हैं, यद्यपि वे शिक्षक होने के लिए नहीं बुलाए गए थे, और इस कारण वे अपने आपको शैतानों के लिए खोल देते हैं और गलत शिक्षाओं को प्रोत्साहित करते हैं। वे गलतीयों के साथ सीखाते हैं, सामान्यता भ्रम की आत्मा के द्वारा उत्साहीत।

उदाहरण के लिए, कुछ झूठे शिक्षक सीखाते हैं कि मसीह का आगमन पहले ही हो चुका है, और इसलिए बहुत से लोगो को भ्रमित करते हैं। कुछ दूसरे कहते हैं कि पवित्र आत्मा की सेवकाई प्रेरितों के साथ खत्म हो गई। कुछ लोग सपनों के अर्थ के साथ आते हैं, लोगों को बताते हुए कि कैसे उनका सोने का तरिका उनके सपनों को प्रभावित करता है, और सपनों में खाने के प्रभावों को सीखाते हैं।

कुछ लोग यहाँ तक भी बताते हैं कि आपका एक रिश्तेदार है जो आपके जीवन की परेशानियों के लिए जिम्मेदार है, और रिश्तेदारों के बीच में परेशानियों को पैदा करते हैं। फिर भी बाइबल कहती है कि हम मांस और लहू के विरोध में नहीं लड़ते हैं (इफिसियों ६:१२)। किंतु दुःखद रूप से, कुछ लोग इस तरह की झूठी शिक्षाओं के द्वारा भ्रमित हो चुके हैं।

यह शीघ्र ही यीशु के वचनों को याद दिलाता है जहाँ पर उसने कहा, "... तुम पवित्रशास्त्र ... नहीं जानते; इस कारण गलती करते हो" (मत्ती २२:२९)। स्वयं के लिए वचन जानिए, और कोई भी आपको धोखा नहीं दे पाएगा। अपने जीवन में वचनों को पढ़ना एक प्राथमिकता बना लीजिए। पवित्र आत्मा आपके हृदय को उसकी सच्चाई और उसकी इच्छा के लिए खोलेगा, और आप सारी वस्तुओं को प्रमाणित कर पाएँगे (१ थिस्सलुनीकियों

५:२१), हर आत्मा को जाँचिए (१ यूहन्ना ४:१) और सच्चाई के वचन को भली भाँती बाँटिए (२तीमुथियुस २:१५)।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपके वचन के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ जिसके द्वारा मैं जीवन में अपना रास्ता ढूँढता हूँ। मैं आपके आत्मा के लिए समर्पित हूँ, जो कि जीवन में असीमित संभावनाओं और क्षमताओं की मेरी गारंटी है। मैं धोखा नहीं खा सकता। मैं मेरे जीवन के लिए आपके विधान को पूरा कर रहा हूँ, क्योंकि मैं आपके वचन के द्वारा परिचित हूँ, जो कि मेरा प्रकाश और मेरा उद्धार है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस २:३ MSG; १ तीमुथियुस ४:१-२

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो ८-९ & नीतिवचन २४-२६

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो २:११-१७ & यिर्मयाह २७



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



गुरुवार 10

उन्हें नाम से पुकारो



जब यीशु ने देखा कि लोग दौड़कर भीड़ लगा रहे हैं, तो उसने अशुद्ध आत्मा को यह कहकर डाँटा, हे गूँगी और बहिरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल आ, और उसमें फिर कभी प्रवेश न करना (मरकुस ९:२५)।

अगर आप जानना चाहते थे कि शैतानो को कैसे खदेड़ना है, तो यीशु ने ऊपर के वचन में स्पष्ट रूप से दर्शाया। उसने उस स्थिति के लिए जिम्मेदार आत्मा को पुकारा। उसने कहा, “...हे गूँगी और बहिरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल आ, और उसमें फिर कभी प्रवेश न करना”। उसने केवल यह नहीं कहा, “मैं तुम्हें डाँटता हूँ”; उसने कुछ कहा जो कि डाँट थी। उसने उस विशेष शैतान को नाम से पुकारा; गूँगी और बहिरी आत्मा। और निश्चय ही शैतान बाहर निकल गया।

यह कहना काफी नहीं है, “शैतान मैं तुझे बाँधता हूँ।” शैतान सारी बुरी आत्माओं के लिए एक सामान्य शब्द है। आप उस समय पर कौन सी विशेष बुरी आत्मा या शैतान को झेल रहे हैं? आप दर्द, परेशानि, या किसी और बात से जान सकते हैं, पवित्र आत्मा आपको उन्हें दिखा सकता है। उनके कामों को करने में, शैतान उनके चरित्र को दिखाते हैं, और यह आपकी सहायता कर सकता है उनको पहचानने में और उन्हें उचित रूप से पुकारने में। एक शैतान के दिखाई देने वाले चरित्र के द्वारा, आप जान सकते हैं कि उसका नाम क्या है, क्योंकि एक नाम चरित्र का वर्णन होता है। शैतानों का उनके चरित्र के हिसाब से नाम रखा जाता है, जैसा कि वचनों में दिखता है।

उदाहरण के लिए, अगर आप एक अशुद्ध आत्मा को पहचान लेते हैं, तो आपको यह जानने की जरूरत नहीं है कि उस शैतानी आत्मा का नाम क्या है। आप उसे उस नाम के द्वारा बुला सकते हैं और कह सकते हैं, “तू अशुद्ध आत्मा, मैं तुझे आदेश देता हूँ यीशु के नाम में निकलने का!” कोई भी शैतान विरोध नहीं कर सकता जब आप उन्हें यीशु के नाम में बाहर आने का आदेश देते हैं।

बाइबल कहती है, “...स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें” (फिलिप्पियों २:१०)। मरकुस ६:७ कहता है कि उसने हमें अशुद्ध आत्माओं के ऊपर सामर्थ्य दी है कि हम उन्हें बाहर खदेड़ें। मती १०:८ में वह बहुत

बल दे रहा था जब उसने कहा, “बीमारों को चंगा करो, कोढ़ियों को शुद्ध करो, मरे हुएों को जिलाओ, दुष्टात्माओं को निकालो...” हालैलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आभारी हूँ उस अधिकार के लिए जो आपने मुझे यीशु मसीह के सर्वशक्तिशाली नाम को इस्तेमाल करने का और शैतानो को निकालने के लिए दिया है। शैतान का मेरे जीवन में या मेरे घर में या मेरे प्रियजनों के जीवनो में कोई स्थान नहीं है। मैं हमेशा निरंतर विजय में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 1:25-26; मरकुस 16:17; लूका 10:18-19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुथियो 10:1-18 & नीतिवचन 27-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ थिस्सलुनीकियो 3:1-10 & यिर्मयाह 28



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शुक्रवार 11

उसके गुणो और सिद्धताओ को दिखाते हए



पर तुम चुना हुआ वंश, और राज पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुणो और सिद्धताओ को दिखाओ (१ पतरस २:९ ए.एम.पी.सी)।

परमेश्वर की संतान के रूप में हम मसीह के गुणों और सिद्धताओ को दिखाने के लिए बुलाए गए हैं; यह हमारी सेवकाई है, यह हमारा जीवन है। यीशु ने कहा, “मैं दाखलता हूँ और तुम डालियाँ हो...” (यूहन्ना १५:५)। डालियाँ दाखलता की फल लाने वाली भाग होती हैं। हम उसके फलों को लाते हैं, उसके गुणो को।

नफरत, कड़वाहट, क्रोध, झूठ, और इस तरह की वस्तुएँ परमेश्वर के गुण नहीं हैं। इसलिए, वे आपकी पुनःसृष्टित आत्मा की बनावट या विशेषताओं के भाग नहीं हैं। वरन, आपको परमेश्वर की दयालुता, प्रेम, दया, धैर्य, दीनता, नम्रता, बुद्धि और श्रेष्ठता को दिखाना है। अपने घर, विद्यालय, काम की जगह पर और हर जगह श्रेष्ठता को दिखाईये। इसे आपके हर काम में दिखने दीजिए।

इसके अतिरिक्त, उसके गुणो और सिद्धताओ को दिखाईये, अपने अनुग्रही, आत्मा उठाने वाले और विश्वास से उत्साहीत वचनो के द्वारा, जीवन और सामर्थ से भरे हुए, आत्मा को बदलने वाले।

उसने हमें इस विश्व में आश्चर्य बना दिया है; उसकी महिमा और उसकी सत्यनिष्ठा को दिखाने वाले उसके बर्तन। आपके द्वारा वह उसके प्रेम को दूसरों को दिखाता है, मनुष्यो के हृदय में उसके राज्य को स्थापित करते हुए। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं एक महिमा, सामर्थ, सफलता और प्रभाव का जीवन जीता हूँ। मैं उसकी कार्यकुशलता हूँ, मसीह यीशु में उसके अद्भुत कार्यों, गुणों, सिद्धताओं, श्रेष्ठता और बुद्धि को दर्शाने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियों 2:10; मत्ती 5:14-16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुथियों 11:1-15 & नीतिवचन 29-31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ थिस्सलुनीकियों 3:11-18 & यिर्मयाह 29



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उसके सपने को पूरा करने पर केंद्र लगाईये



तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा और आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं परन्तु संसार ही की ओर से है (१ यूहन्ना २:१५-१६)।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रभु का आना पहले से कही ज्यादा नजदीक है। किंतु बाइबल कहती है, “... क्योंकि वह दिन न आएगा जब तक धर्म का त्याग न हो ले, और वह पाप का पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो” (२ थिस्सलुनीकियो २:३)। एम्पलीफाइड क्लासिक इसको इसको इस तरिके से कहता है, “... क्योंकि वह दिन न आएगा जब तक धर्म का त्याग न हो ले (जब तक कि वे लोग गिर ना जाएं जिन्होंने अपने आपको मसीही कहा था, जैसी भविष्यद्वाणी हो चुकी है), और वह पाप का पुरुष अर्थात् विनाश (कयामत) का पुत्र प्रगट न हो”।

इसका अर्थ है ऐसे लोग होंगे जिन्होंने अपने आपको मसीही कहा है, किंतु वे विश्वास से दूर चले जाएँगे; वहाँ पर निंदा होगी— लोग स्वयं ही यीशु में अपने विश्वास को छोड़ देंगे। यह अभी भी हो रहा है, और इसका बहुत बड़ा कारण इस विश्व की चिंता; धन का धोखा, और दूसरी वस्तुओं का लोभ है। इसलिए, परमेश्वर क्या देख रहा है, और आपको इन आखिरी दिनों में कैसे जीवन जीना चाहिए? आपको कौन से चुनाव करने चाहिए?

उसकी सलाह ही हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ी। मसीह में बने रहो! राज्य की वस्तुओं पर मन लगाओ, ना कि इस विश्व के क्षणिक आनंदों पर। कुलुस्सियों ३:१ इसे सुंदर रूप से कहता है। यह कहता है, “अतः जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह विद्यमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है”।

अपनी ऊर्जा को परमेश्वर के सपने को पूरा करने में लगाईये, राज्य के विस्तार और विश्व बेदारी के उसके दर्शन में। उन लोगों के बीच में होना मना कर दीजिए जो इस विश्व की वस्तुओं पर चिपक जाते हैं और केवल उनके व्यक्तिगत लाभ और सहजता के विषय में ही चिंतित होते हैं। वे इस विश्व की आत्मा के द्वारा जय पाएँ गए हैं। यीशु ने कहा, “यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की हानि उठाए, तो उसे

क्या लाभ होगा ?” (मरकुस ८:३६)। यह बहुत जरूरी है कि आप अपने जीवन को मसीह में स्थापित करके जीएँ, उसमें महान रूप से जड़ और नेंव पकड़कर। आप अविचलित, अटल बने रहिए और आनंद के साथ प्रभु का काम करते रहिए। हालेलूयाह!

घोषणा

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे एक पवित्र बुलाहट के साथ बुलाने के लिए और मुझे आपके लिए जीने की आंतरिक सामर्थ्य देने के लिए। मैं मसीह में जड़ और नेव पकड़ा हुआ हूँ; मैं ने शरीर को इसकी अभिलाषाओं और इच्छाओं के साथ कूस पर चढ़ा दिया है। मेरा एकमात्र उत्साह आपके राज्य का विस्तार और पृथ्वी के अंत तक मसीह के प्रेम और उसके उद्धार के संदेश को फैलाना है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रकाशित वाक्य 3:11-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुथियो 11:16-33 & सभोपदेशक 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:1-7 & यिर्मयाह 30



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



रविवार 13

उसमें सिद्ध और पूर्ण



इपफ्रास, जो तुम में से है और मसीह यीशु का दास है, तुम्हें नमस्कार कहता है और सदा तुम्हारे लिये प्रार्थनाओं में प्रयत्न करता है, ताकि तुम सिद्ध होकर पूर्ण विश्वास के साथ परमेश्वर की इच्छा पर स्थिर रहो
(कुलुस्सियो ४:१२)।

ऊपर के वचन में शब्द “सिद्ध” और “पूर्ण” को एक दूसरे के बदले में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में, ऊपर “सिद्ध” की जगह पर, आप “पूर्ण” भी रख सकते हैं और उल्टा पुल्टा भी।

यहाँ पर “सिद्ध” का अर्थ है मजबूती से खड़े रहना; अटल। इसका अर्थ “वयस्क होना” भी है; एक सिद्धता या वयस्कता के स्तर तक आ जाना, “पूरे डील डौल तक बढ़ जाना।” यह परिपूर्णता का स्थान है; समझ की परिपूर्णता, बुद्धि और ज्ञान की; आत्मा की परिपूर्णता। हालेलूयाह!

इसलिए इपफ्रास आत्मा के द्वारा, कुलुस्सी के मसीहों के लिए प्रार्थना कर रहा था कि वे वयस्कता के स्थान में आ जाएँ, मजबूत खड़े रहे, मसीह में पूर्ण और सिद्ध। परमेश्वर आपके जीवन में यह चाहता है। वह चाहता है कि आप एक पूरे वयस्क मसीही हो जाएँ, परमेश्वर के कामों को करने के लिए वयस्क।

जितना अधिक आप आत्मिक रूप से वयस्क होते हैं, उतना ही वास्तव में आप अपने जीवन के लिए परमेश्वर के सपने को पूरा कर सकते हैं। इसलिए, अपनी आत्मिक वृद्धि के लिए स्वयं ही एक लक्ष्य निर्धारित कीजिए। अपने आपसे कहिए, “मैं बढ़ने जा रहा हूँ; मैं वयस्कता के स्थान तक आनेवाला हूँ, जहाँ पर मैं केवल आत्मिक वस्तुएँ सोचता हूँ, मैं मसीह में वयस्कता सोचता हूँ, मैं परमेश्वर की सामर्थ से भरा हुआ हूँ”; और आगे बढ़कर उसको पूरा कीजिए।

इफिसियो ४:१२-१३ कहता है कि परमेश्वर ने इसी उद्देश्य के लिए चर्च को सेवकाई के वरदान दिए: “...जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और सेवा का काम किया जाए और मसीह की देह उन्नति पाए: जब तक कि हम सब के सब विश्वास और परमेश्वर के पुत्र की पहिचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के

पूरे डील— डौल तक न बढ़ जाएँ” ।

अगर हमारे लिए मसीह के पूरे डील डौल तक बढ़ना संभव नहीं होता, तो परमेश्वर ने हम से नहीं कहा होता कि यह करो। यह उसका सपना है। इसलिए, इसके लिए आगे बढ़िए, वचन को महान रूप से पढ़कर और उस पर अध्ययन कर के, और अपने आपको पवित्र आत्मा की सेवकाई के लिए समर्पित करके।

घोषणा

मसीह में परमेश्वर के शरीर की सारी सिद्धता निवास करती है, और मैं उस में पूर्ण हूँ, जो कि सारी प्रधानता और सामर्थ का शिरोमणि है। मैं मसीह में एक उत्कृष्ट जीवन जीता हूँ: स्थिर, अटल, और विश्वास में स्थापित जैसे ही मैं निरंतर वचनो की ज्योति में चलता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 4:14-15; इब्रानियो 5:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 12:1-21 & सभोपदेशक 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:8-14 & यिर्मयाह 31



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



सोमवार 14

उसे आपका हृदय चाहिए



हे मेरे पुत्र, मुझे अपना हृदय दे, और तेरी दृष्टि मेरे चालचलन पर लगी रहे (नीतिवचन २३:२६)।

लोग उनकी स्थितियों के बावजूद एक जैसे ही होते हैं। उदाहरण के लिए इसका अर्थ यह है कि अमीर और गरिब एक जैसे ही हैं, अगर उनके हृदयों में एक बदलाव नहीं हुआ है तो। अगर एक मनुष्य गरिब और दुष्ट है, तो जब वह अमीर हो जाएगा तो अलग नहीं हो जाएगा। जब वह गरिब है तो उसके हृदय की दुष्टता को करने के लिए उसके पास पैसे नहीं हैं। तो जब वह अमीर हो जाता है, तो वह उसके हृदय की दुष्टता को उसके पैसे के द्वारा पूरा करने के योग्य हो जाता है।

पैसा आपके चरित्र को विस्तारित करता है। लोग केवल उनके हृदयों की अच्छाई और भलाई को ही करते हैं, उनके स्रोतों पर आधारित। यीशु ने कहा, “यदि पेड़ को अच्छा कहो, तो उसके फल को भी अच्छा कहो, या पेड़ को निकम्मा कहो, तो उसके फल को भी निकम्मा कहो...” (मत्ती १२:३३)। इसका अर्थ है कि लोग अंदर जैसे ही बाहर भी होते हैं। तो परमेश्वर क्या चाहता है? वह आपके हृदय में एक बदलाव चाहता है; एक अंदर से बदलाव।

यही कारण है सबसे पहले वह आपके हृदय में उसके राज्य को स्थापित करता है। वह सबसे पहले आपके हृदय में उसके प्रेम को रखता है। आपका हृदय ही वह स्थान है जहाँ पर वह काम करना चाहता है; वहीं पर उसकी सारी आशीषें हैं। फिर आपके हृदय से, वे आशीषें दूसरों तक बह सकती हैं। नये जन्मे होकर, आपके पास अपने हृदय में परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है; और अब मसीह में, आप एक जीवन— दाता है।

जो महिमा और बदलाव आपके प्राण और शरीर में दिखाई देते हैं वे आपकी आत्मा में परमेश्वर के जीवन और स्वभाव का प्रभाव और विस्तार है। हमारे आरंभिक वचन में उसने कहा, “हे मेरे पुत्र मुझे अपना हृदय दे।” अगर आप कभी भी नये जन्मे नहीं हुए थे, तो यह आपका क्षण है; उसे अपना हृदय दे दीजिए। इस अध्ययनिका के पीछे के पन्नों पर उद्धार की प्रार्थना पर जाइये और उस प्रार्थना को हृदय की गहराई से कीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद देता हूँ मेरे हृदय में आपके राज्य को स्थापित करने के लिए। अपने हृदय के साथ, मैं सुसमाचार और हमारे परमेश्वर के राज्य के जीवन की वास्तविकताओं को देखता और समझता हूँ। मैं आज पूरे विश्व में अविश्वासीयों के लिए प्रार्थना करता हूँ कि उनका हृदय खुला होगा सुसमाचार को ग्रहण करने और उद्धार पाने के लिए; ताकि ठीक अभी आपके उद्धार की सामर्थ्य उनके हृदयों को भर दें, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 6:45; इब्रानियों 10:22

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुसंधियों 13:1-14 & सभोपदेशक 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:15-20 & यिर्मयाह 32



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

कि
प्र
रि

टिप्पणी

वि



मंगलवार 15

वह आपमें और आपके साथ है



मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे; अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है; तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा (यूहन्ना १४:१६-१७)।

ऊपर के संतोषप्रद और आत्मा उठानेवाले वचन यीशु के द्वारा कहे गए थे, उसके स्वर्गारोहण के पहले। उसे पता था कि चले उसके जाने से दुःखी हो जाएँगे; तो उसने कहा, “शांत हो जाओ! मैं पिता के पास जा रहा हूँ, और मैं उससे कहूँगा कि वह तुम्हारे लिए पवित्र आत्मा (दूसरा सहायक) भेजे। जब वह आएगा, तो वह तुम्हारे हृदय में रहेगा, और तुम को मुझे ढूँढना नहीं पड़ेगा या तुम मेरी अनुपस्थिती महसूस नहीं करोगे। सड़को पर तुम्हारे साथ चलने के बजाय मैं सड़को पर तुम्हारे अंदर चलाँगा।” परमेश्वर की महिमा हो!

यीशु ने उसके वादे को पूरा किया और पिता ने पिन्तेकुस के दिन पवित्र आत्मा को भेजा (पढ़िए प्रेरितों के काम २:१-४)। अब जब कि आप नये जन्मे हैं, तो आपको कभी भी यीशु को ढूँढने की जरूरत नहीं है; आपको कभी चिल्लाने की जरूरत नहीं है, “प्रभु, आप कहाँ हैं?” वह अब आपमें है! इसका अर्थ है कि परमेश्वर की उपस्थिती आपके हृदय में है! मुझे नहीं पता कि आज से पहले परमेश्वर और मसीहत के बारे में आप क्या सोचते थे; इसको जान लीजिए, अगर आपने पवित्र आत्मा ग्रहण किया है, तो आपके अंदर परमेश्वर है। कोई आश्चर्य नहीं है कि यूहन्ना ने कहा, “हे छोटे बच्चों तुम परमेश्वर के हो और तुम ने “अपने शत्रुओं” पर जय पाई है क्योंकि जो तुम में है वह महान है उससे जो इस विश्व में है” (१ यूहन्ना ४:४)। हालेलूयाह!

आप अपने जीवन में जो झेल रहे हैं उसके बावजूद, एक नया दर्शन है; यह है आपमें दैवियता का दर्शन! पौलुस ने इसको भेद कहा जोकि पीढ़ियों से छिपा हुआ था, किंतु अब परमेश्वर के संतो पर उजागर हुआ है जो कि है, “मसीह जो महिमा की आशा है, तुम में रहता है” (कुलुस्सियों १:२६-२७)।

आदम इसको नहीं जानता था। अब्राहम इसको नहीं जानता था। इसहाक इसको नहीं जानता था। पुराने नियम के सारे पूर्वज इस भेद को नहीं जानते थे। यह “इम्मानुएल” (परमेश्वर हमारे साथ) से कही बढ़कर है; यह है स्वर्ग आपमें! परमेश्वर की पूरी परिपूर्णता

आपमें सदेह वास करती है और आपके द्वारा दर्शित होती है! परमेश्वर सदा के लिए धन्य हो!

प्रार्थना

यारे पिता, धन्यवाद उस महान सम्मान और आशीष के लिए कि मसीह मुझ में पवित्र आत्मा के द्वारा रहता है; उसकी रहने और बनी रहनेवाली उपस्थिति के कारण, मैं दैविय ऊर्जा और अलौकिक बुद्धि के साथ भरा हुआ हूँ परमेश्वर की इच्छा को करने के लिए, और दुष्ट की चालों के ऊपर और इस विश्व के भ्रष्ट करने वाले प्रभावों के ऊपर जीने के लिए। हातेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितों के काम 2:1-4; १ कुरुथियों 3:16; प्रेरितों के काम 17:28

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियों 1:1-24 & सभोपदेशक 9-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमथियुस 2:1-15 & यिर्मयाह 33



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



बुधवार 16

झूठे भाई भी होते हैं



यह उन झूठे भाइयों के कारण हुआ जो चोरी से घुस आए थे, कि उस स्वतंत्रता का जो मसीह यीशु में हमें मिली है, भेद लेकर हमें दास बनाएँ (गलातियो २:४)।

बाइबल हमें इन तीन समुदायों के विषय में बताती है: झूठे शिक्षक, झूठे भविष्यद्वक्ता और झूठे भाई। यह हमें स्पष्ट रूप से उन अलग अलग कामों को भी दिखाती है जो वे इन अंत के दिनों में करेंगे। क्या चर्चों में वास्तव में झूठे भाई हो सकते हैं? बिल्कुल हाँ! झूठे भाई लोग वे होते हैं जो परमेश्वर के लोगों के बीच में आते हैं, यीशु मसीह के प्रेम के कारण नहीं, किंतु एक दूसरे उद्देश्य के लिए।

हमारा आरंभिक वचन कहता है कि वे हमारे जाने बिना आते हैं, मसीह यीशु में हमारी स्वतंत्रता की जासूसी करने के लिए, ताकि वे हमें बंधन में ला सकें। वे एक झूठे चित्र को दिखाते हैं, ताकि वे कुछ लाभ को पा सकें। बाइबल कहती है, “वे लोभ (लालसा, लालच) के लिये बातें गढ़कर तुम्हें अपने लाभ (झूठे तरीकों से) का कारण बनाएँगे...” (२पतरस २:३ ए.एम.पी.सी)।

झूठे भाई हमेशा दूसरे भाईयो से पैसा बनाने के तरिके ढूँढते हैं। जब कि वही वे लोग होते हैं जो कभी भी चर्च में ना तो दशमांश देते हैं ना भेंट। उनका उद्देश्य है कि वे भाईयो से पैसा कमा सकें। वे पैसे के लिए कुछ भी कर सकते हैं, वे अपने पास्टर को भी धोखा दे सकते हैं, लीडर को, यहाँ तक कि चर्च को भी। यही वे लोग हैं जो चर्च के विषयों को जनता के बीच में ले जाते हैं और धन-संबंधी कारणों के लिए अधिकारीयो या न्यूज मिडिया को रिपोर्ट करते हैं। बाइबल कहती है वे हमारे बीच में जासूसी करने के लिए आए हैं, ताकि वे हमारे ऊपर दोष लगाने का कोई कारण ढूँढ सकें।

झूठे भाईयो को ढूँढना आसान नहीं होगा उनके ढोंगी तरिकों के कारण। किंतु यीशु ने कहा, “उनके फलो से तुम उन्हें जान लोगे” (मत्ती ७:२०)। झूठे भाईयो को पहचानने का एक तरिका है कि वे अधिकार को तुच्छ समझते हैं। वे दूसरों को मनाने की कोशिश करते हैं कि क्यूँ उन्हें हर उस बात में विश्वास करना नहीं चाहिए जो पास्टर या चर्च की लीडरशीप कहती है। उदाहरण के लिए अगर वे सुनते हैं कि आपको किसी व्यक्तिगत काम के लिए पास्टर की सलाह की जरूरत है, तो वे उस विचार का मजाक उड़ायेंगे और ऐसा महसूस करावेंगे कि आप बच्चों की तरह काम कर रहे हैं।

झूठे भाईयो के विषय में परमेश्वर की सलाह हमको यह है कि हम उन्हें चिन्हित कर ले और उनके साथ संबंध ना रखे, उनके भ्रष्ट प्रभाव के कारण। बहुत सारे सच्चे मसीही विश्वास से दूर हो गए इस तरह के गलत संबंधो के कारण। इसलिए, वह कीजिए जो वचन कहता है, “अपने आपको हर उस भाई और बहन से दूर कर लीजिए जो गलत तरिके से चलता है” (२थिस्सलुनीकियो ३:६)।

प्रार्थना

धन्यवाद प्रभु, आत्मा के द्वारा, मैं गलती की आत्मा को देख सकता हूँ और बुद्धिपूर्वक काम कर सकता हूँ। वचन मुझे सही रास्तो में और मेरे संबंधो में भी चलाता है। मैं मेरे जीवन के लिए आपकी सिद्ध इच्छा और उद्देश्य की दिशा में निर्देशित हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ यूहन्ना 1:9-10; २थिस्सलुनीकियो 3:6 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 2:1-21 & श्रेष्ठगीत 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 3:1-7 & यिर्मयाह 34



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



गुरुवार 17

परमेश्वर के साथ गंभीर हो जाओ



परमेश्वर से धीरे से हों कहो और वह वहाँ जल्दी से होगा। पाप मे तैरना बंद करो। अपने अंदर के जीवन को शुद्ध करो। खेलना बंद करो। घुटनों पर जाओं और आँखें निकालकर रो। आनंद और खेल बंद करो। गंभीर हो जाओ, वाकई में गंभीर (याकूब ४:८-९ एम.एस.जी)।

इफिसियो ५:१५-१६ हमारे लिए एक बहुत ही सटीक चेतावनी है विशेष रूप से इन अंतिम दिनों में। यह कहता है, “इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो: निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो, अवसर को बहुमूल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे है।” दौब पर बहुत कुछ लगा हुआ है। आप परमेश्वर की संतान के रूप में अपने जीवन को असावधानीपूर्वक नहीं जी सकते। आप यीशु मसीह के है; इसलिए, अपने जीवन के साथ उसकी सेवा कीजिए। उसके लिए जीओं।

बाइबल कहती है, “क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है; और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि तुम एक दाम देकर खरीद लिए गए हो: इसलिए अपने शरीर में और अपनी आत्मा में परमेश्वर की महिमा करो, जोकि परमेश्वर के है” (१ कुरिंथियो ६:१९-२०)। परमेश्वर का आपके जीवन के लिए एक उद्देश्य है जो आपको अवश्य ही पूरा करना चाहिए। आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है: उसमें अपने उद्देश्य को खोजना और उसे पूरा करना।

जीवन अपने व्यक्तिगत सपनों, योजनाओं, अभिलाषाओं या इच्छाओं के लिए नहीं है। बाइबल कहती है, “जब कि ये सब वस्तुएँ इस रीति से पिघलनेवाली हैं, तो तुम्हें पवित्र चाल-चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए” (२ पतरस ३:११)। इससे अंतर नहीं पड़ता है कि आप इस विश्व में कितनी सुंदर सरंचनाओं को देखते है या मनुष्य के शारिरिक परिपूर्णन को; हर वस्तु नष्ट हो जाएगी।

यह मुझे सुलैमान राजा की याद दिलाता है जिसने परमेश्वर के लिए सबसे सुंदर मंदिर का निर्माण किया था। इसका महानरूप से उत्सव मनाया गया था और निश्चित ही परमेश्वर उससे खुश था और उसने उसको आशीष दी। किंतु हमारा परमेश्वर हाथ से बनाए हुए मंदिरों में नहीं रहता है। जब वे मूर्तिपूजा करने लगे और बाल की सेवा करने लगे, तो वह सुंदर मंदिर नष्ट कर दिया गया। एक परिणामी दंड परमेश्वर के वचन की

रेखा में ना चलने के कारण।

परमेश्वर पृथ्वी की वस्तुओं की चिंता नहीं करता है। हर वस्तु जो इस विश्व में है वह उससे बनी जो पहले से ही थी, और अगर यह सच है, तो आप क्यों अपना जीवन उसके लिए नहीं जीते जिसने वास्तव में सारी वस्तुओं को बनाया है? अपने जीवन के साथ उसकी सेवा कीजिए। गंभीर हो जाइये, और प्रभु के लिए अपनी सेवा में बहुत ज्यादा गंभीर हो जाइये।

प्रार्थना

मैं परमेश्वर की महिमा के लिए जन्मा था, उसके साथ चलने के लिए और उस तक सम्मान लाने के लिए। उसने आरंभ से ही योजना बनाई कि मैं अपने जीवन के साथ उसकी सेवा करूँ और उसके योग्य चाल चलूँ, उसे सब वस्तुओं में प्रसन्न करते हुए, और हर भले काम में परिणामी होते हुए। यह मेरा उत्साह, परिपूर्णन और हर दिन का उद्देश्य है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ पतरस 1:18-19; इफिसियो 2:10 AMPC; १ कुरुथियो 7:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:1-14 & श्रेष्ठगीत 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 3:8-16 & यिर्मयाह 35



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शुक्रवार 18

प्रार्थना करने के उत्साह को नकारिये मत



इसलिये परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा (याकूब ४:७)।

एक मसीही के रूप, यह जरूरी है कि आप जाने कि जो जीवन परमेश्वर ने आपको दिया है उसको गंभीरता से कैसे जीएँ, और कैसे आत्मिक रूप से उत्तर दे जब कुछ वस्तुएँ आपके आसपास होती है। यही कारण है कि प्रार्थना बहुत जरूरी है। जब हम प्रार्थना करते है तो कुछ होता है। उसने हम से बेकार में प्रार्थना करने को नहीं कहा। जब आपके पास प्रार्थना करने का उत्साह होता है तो इसे नकारिये मत।

हर व्यक्ति जिसके पास पवित्र आत्मा है उसके पास समय समय पर प्रार्थना करने का उत्साह आएगा, क्योंकि वह स्वयं ही प्रार्थना का आत्मा है। वह हमें प्रार्थना करना सीखाता है, और वह हमारे द्वारा प्रार्थना करता है। वह हमारे हृदय को प्रार्थना करने के लिए उत्साहीत करता है और यहाँ तक कि हमारे मुँह में शब्दों को भी रखता है जिनके द्वारा हम प्रार्थना कर सकते है। जब तक आप एक आत्मा निर्देशित जीवन जीते है, आपके पास हमेशा प्रार्थना करने का उत्साह होगा। अन्यथा आप शैतान को कैसे रोकेंगे?

शैतान एक आत्मिक प्राणी है; हम उसे मांसपेशीयो या शारीरिक सामर्थ से नहीं रोकते है। हम उसे पृथ्वी की वस्तुओं के द्वारा नहीं रोकते है; हम उसे अपने विश्वास के द्वारा रोकते है। बाइबल कहती है शैतान को रोकें और वह तुम से भाग जाएगा (याकूब ४:७); उसके पास कोई विकल्प ही नहीं है। वह हम से डरा हुआ है यीशु के नाम के कारण।

जब आप उस महान सामर्थ को समझ जाते है जो आपको शैतान की गतिविधियों को नष्ट करने के लिए दी गई है, चाहे वह आपका जीवन हो, या आपके प्रियजनों का जीवन, आपका शहर या आपका देश— तो आप प्रार्थना करना पसंद करेंगे! बेकार में मत बैठे रहिए और शैतान को अपने आसपास तांडव करते हुए मत देखिए। प्रार्थना कीजिए। उसके विरोध में यीशु के नाम को इस्तेमाल कीजिए।

जैसे ही आप प्रार्थना में परमेश्वर के साथ सहभागिता करते है, पवित्र आत्मा आपको वह वस्तुएं दिखाएगा जिनके विषय में आपको प्रार्थना करना है और कैसे प्रार्थना करना है। वह आपको बताएगा कि आत्मा के स्तरों में वस्तुओं को कैसे संभालना है और कैसे

प्रबल होना है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

धन्यवाद आशीषित पिता, प्रार्थना और अन्यभाषाओं में बोलने की आशीष के लिए। मैं पवित्र आत्मा के निर्देशनों और उत्साहों के लिए सचेत हूँ यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रार्थना के द्वारा आपकी इच्छा पृथ्वी पर पूरी होती है जैसे कि स्वर्ग में पूरी हो चुकी है, और आपका चरित्र और व्यक्तित्व मेरे द्वारा दिखाई देते हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ थिस्सलुनीकियो 5:17; १ कुरुथियो 14:2; रोमियो 8:26-27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:15-25 & श्रेष्ठगीत 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 4:1-8 & यिर्मयाह 36



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शनिवार 19

मसीह में अपने जीवन के लिए सचेत हो जाईये



इसी से प्रेम हम में सिध्द हुआ कि हमें न्याय के दिन साहस हो;
क्योंकि जैसा वह है वैसे ही संसार में हम भी है
(१ यूहन्ना ४:१७)।

जब आप ऊपर के वचन को पढ़ेंगे, “...कि जैसा वह है वैसे ही इस विश्व में हम है”, तो वह यह नहीं कह रहा है कि हम यीशु की तरह है उसके मरने के पहले जैसे, किंतु पुनरुत्थानी यीशु के जैसे जिसमें अनंत जीवन है। अब हमारे पास उसके जैसा ही जीवन है। बाइबल कहती है, “जिसके पास परमेश्वर का पुत्र है उसके पास जीवन है” (१ यूहन्ना ५:१२)। अगर आपके पास यीशु है, तो आपके पास अनंत जीवन है— परमेश्वर का जीवन; यह वह जैविय जीवन नहीं है जिसके द्वारा आप अपने माता पिता से जन्मे थे।

यही कारण है कि यीशु ने कहा, “...यदि कोई नया जन्म न ले तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता” (यूहन्ना ३:३)। और जब उसने कहा कि आपका जैविय जीवन परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता, तो वह केवल स्वर्ग जाने की बात नहीं कर रहा था; वह परमेश्वर की राज्य की वास्तविकताओं के विषय में बात कर रहा था; विश्व में परमेश्वर की प्रबलता के बारे में; इस विश्व में परमेश्वर के जीवन और स्वभाव को अनुभव करने के बारे में।

जब आप नये जन्मे होते हैं, तो आप इस जीवन में परमेश्वर के राज्य का अनुभव करते हैं; यह आपका हर दिन का अनुभव बन जाता है; आपकी हर दिन की यात्रा। मसीह त यही है। मसीह आपमें वास्तव में जीवित है आप उसमें अटूट एकता में हैं। १ कुरिंथियो ६:१७ कहता है, “और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।”

परमेश्वर के साथ आत्मा में इतना एक होकर, आप कैसे वायरस, बैक्टीरिया, कीटाणु या किसी भी वस्तु के लिए चिंतित हो सकते हैं जो इस विश्व को प्रकोपित करते हैं? यही कारण है कि यूहन्ना चाहता है कि आप जान ले कि आपके पास क्या है। उसने कहा, “मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है” (१ यूहन्ना ५:१३)।

जब आप जान जाते हैं कि आप मसीह में कौन हैं, तो आप यह भी जान जाएंगे कि आपके लिए बीमार होना असंभव है। जब आप पहचान लेते हैं और उसमें आपके जीवन

के लिए सचेत हो जाते हैं, तो आप इस विश्व की किसी भी वस्तु से नहीं डरेंगे, क्योंकि आप अविनाशी हैं। उसने हमें कितना अद्भुत जीवन दिया है! हालैलूयाह!

घोषणा

मेरे पास परमेश्वर का अद्भुत, अविनाशी, ना भ्रष्ट हो सकने वाला चमत्कारी जीवन है। मैं परमेश्वर सरिखे का सहभागि हूँ! दैवियता का सार मुझ में काम कर रहा है, और वह दैविय जीवन मेरे अस्तित्व में बहता है: बीमारी, रोग, दुर्बलता, मृत्यु, गरिबी और हर उस वस्तु को भगाते हुए जो कि मसीह के सुसमाचार के प्रावधानों से मेल नहीं खाती है। मैं अजेय, अविनाशी और अभेद हूँ। हालैलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 5:11-13; १ कुरुथियो 15:47-49 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:26-4:1-20 & यशायाह 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 4:9-16 & यिर्मयाह 37



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



रविवार 20

उसके लहू के द्वारा खरिदे गए



क्योंकि तुम एक दाम देकर खरीद लिए गए हो: इसलिए अपने शरीर में और अपनी आत्मा में परमेश्वर की महिमा करो, जोकि परमेश्वर के है (१ कुरिंथियो ६:२०)।

१ कुरिंथियो ११:२५ में, बाइबल हमें बताती है कि यीशु ने लिया, “...बियारी के पीछे कटोरा ...और कहा, यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।” उसका लहू उसके जीवन को दर्शाता है; उसने हमारे लिए अपना जीवन दिया ताकि हम जी सकें। यह आपको बताता है कि आप परमेश्वर के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। बाइबल कहती है कि हम सोने, या चाँदी या बहुमूल्य पथरो से नहीं किंतु लहू से खरिदे गए थे; यीशु मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा, जीवित परमेश्वर के पुत्र के (१ पतरस १:१८-१९)।

“तुम हमारे प्रभु मसीह का अनुग्रह जानते हो कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया, ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ” (२ कुरिंथियो ८:९)। आपके जीवन में, सबसे महत्वपूर्ण वस्तु यह है कि आप अपना दिमाग उसके लहू पर लगाये रखें, जो उसके जीवन को दर्शाता है, और वही आपका सच्चा मूल्य है। और उस लहू के कारण, आप सुरक्षित हैं। आप परमेश्वर की संपत्ति हैं, इसलिए, आप शत्रु की तुलना या पाप की प्रबलता के अंतर्गत नहीं हैं।

उसका लहू आपकी सत्यनिष्ठा को बोलता है। आप उसके लहू के द्वारा शुद्ध और सुरक्षित हैं। बाइबल कहती है, “और बकरोँ और बछड़ों के लहू के द्वारा नहीं पर अपने ही लहू के द्वारा, एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया” (इब्रानियो ९:१२)। यीशु मसीह के बहुमूल्य लहू के लिए परमेश्वर का धन्यवाद! हाँ, लहूयाह!

घोषणा

यीशु मसीह का लहू मुझे मनफिराव, निर्दोषता, उद्धार, पहुँच, सहभागिता, शुद्धिकरण, और नये नियम की आशीषों को देता है। मैं उसके वचन से जन्मा हूँ, एक नई सृष्टि, शैतान से बढकर, और इस विश्व की गिरनेवाली व्यवस्थाओं और कारकों के ऊपर। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ पतरस 1:18-19; इब्रानियों 10:14-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियों 4:21-5:1-15 & यशायाह 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमथियुस 5:1-10 & यिर्मयाह 38



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



सोमवार 21

जीवन की पुस्तक में आपका नाम



यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन के वृक्ष और पवित्र नगर में से, जिसका वर्णन इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा
(प्रकाशितवाक्य २२:१९)।

बहुत से लोगो ने यह धारणा की है कि जब कोई व्यक्ति मसीह को अपना जीवन देता है, तब उसका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा जाता है। किंतु बाइबल यह नहीं सीखाती है। यह कभी भी जीवन की पुस्तक में आपके नाम के लिखे जाने के विषय में नहीं है; परेशानि आपका नाम जीवन की पुस्तक से हटाए जाने की है।

निर्गमन ३२:३२ में मूसा ने परमेश्वर से कहा, “...नहीं तो अपनी लिखी हुई पुस्तक में से मेरे नाम को काट दे।” मूसा जीवन की पुस्तक के विषय में जानता था; यह वह पुस्तक नहीं है जहाँ पर नए जन्म पर आपका नाम लिखा जाता है, क्योंकि मूसा “नया जन्मा” नहीं था। इसलिए, जीवन की पुस्तक क्या है? यह वह पुस्तक है जहाँ पर परमेश्वर हर उस व्यक्ति का नाम लिखता है जो इस विश्व में पैदा होता है।

हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढ़िए, यह हर एक के लिए चेतावनी थी। परमेश्वर की वास्तविक योजना थी कि हम में से हर व्यक्ति उसके साथ रहे। बाइबल कहती है कि वह, “...नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले” (२पतरस ३:९)। अनंत आग कभी भी मनुष्यो के लिए तैयार नहीं की गई थी (मत्ती २५:४१), किंतु शैतान और उसके दूतों के लिए। किंतु परमेश्वर ने मनुष्य को चुनाव की सामर्थ्य दी है।

जिस किसी व्यक्ति का नाम उसे आखिर में जीवन की पुस्तक में नहीं मिलेगा, वही स्वयं दोषी है। निर्गमन ३२:३३ में मूसा को परमेश्वर ने उत्तर दिया, “...जिसने मेरे विरुद्ध पाप किया है उसी का नाम मैं अपनी पुस्तक में से काट दूँगा” (निर्गमन ३२:३३)। इसका यह अर्थ है कि आप अपना जीवन परमेश्वर के लिए जीते हैं।

हर दिन प्रेम में और सत्यनिष्ठा में चलिए, और आपका नाम जीवन की पुस्तक में बना रहेगा। उस जीवन को जीएँ जो यीशु मसीह को महिमा देता है। २कुरिंथियो ५:१५ कहता है, “और वह इस निमित्त सब के लिये मरा कि जो जीवित हैं, वे आगे को अपने

लिये न जीएँ परन्तु उसके लिये जो उनके लिये मरा और फिर जी उठा।”

प्रार्थना

वफादार और सत्यनिष्ठ पिता, धन्यवाद आपकी बचाने वाली सामर्थ का एक गवाह होने की विशेष सुविधा के लिए; मैं आज पूरे विश्व में आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूँ कि वे आपके वचन को ग्रहण करें और बदल जाएँ। इसके अतिरिक्त मैं घोषणा करता हूँ कि आपके राज्य में मेरे काम और आपके साथ मेरी यात्रा आपके आत्मा के द्वारा पवित्र है, आपकी महिमा के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 50:7 TLB; मरकुस 10:29-30; प्रकाशित वाक्य 3:5

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 5:16-26 & यशायाह 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 5:11-18 & यिर्मयाह 39



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

कि
प्र
रि

टिप्पणी

वि



मंगलवार 22

आत्मा में हमेशा सचेत और संवेदनशील



सचेत हो, और जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए
(१ पत्रस ५:८)।

एक दिन, जब यीशु आराधनालयों में सीखा रहा था, उसने एक औरत को देखा जो बहुत झुकी हुई थी; वह अपने आपको सीधा नहीं कर पा रही थी। और वह उस दशा में अठारह सालो से थी। तो यीशु ने उससे कहा, “...हे नारी, तू अपनी दुर्बलता से छूट गई। तब उसने उस पर हाथ रखे, और वह तुरन्त सीधी हो गई और परमेश्वर की बड़ाई करने लगी” (लूका १३:१२-१३)।

यद्यपि वहाँ पर जो धार्मिक नेता उपस्थित थे वे बुरा मान गए कि यीशु मसीह ने एक महिला को सब्त के दिन चंगा किया, किंतु स्वामी के उत्तर ने कुछ अद्भुत दर्शाया। उसने कहा, “तो क्या उचित न था कि वह स्त्री जो अब्राहम की बेटी है जिसे शैतान ने अठारह वर्ष से बाँध रखा था, सब्त के दिन इस बन्धन से छुड़ाई जाती?” (लूका १३:१६)।

स्वामी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह शैतान था जिसने उस महिला को उस स्थिति में, “एक दुर्बलता की आत्मा” के द्वारा रखा था। और जैसे ही उसने आत्मा को निपटाया, वह महिला सीधी हो गई; वह परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा पूर्ण चंगी हो गई।

यीशु ने आत्मा के विश्व को समझा था। उसे पता था कि जीवन आत्मिक था, और शैतानी आत्माएँ वास्तविक है और उन बहुत सारी दुर्बलताओं के लिए जिम्मेदार है जिससे लोग कष्ट उठाते हैं। और वचनों और उस अंतर्ज्ञान के द्वारा जो पवित्र आत्मा हमें देता है, हम भी समझ जाते हैं कि कैसे शैतान को और उसके कार्यों को पहचानना है।

अगर आप वचनों को नहीं जानते हैं, तो आप शैतान की चालों के एक शिकार हो सकते हैं। अधिकतर वचन का अध्ययन कीजिए और मनन कीजिए; हर दिन अन्यभाषाओं में बोलिए; आत्मा के साथ भर जाईये, और आपकी आत्मिक सजगता और सर्तकता हमेशा अपनी ऊँचाई पर होगी। जीवन में आत्मिक आयाम है। आपको जानने की जरूरत है कि परमेश्वर क्या शुरू करता है और क्या शैतान भड़काता है। बाइबल कहती है, “... क्योंकि हम उसकी (शैतान की) युक्तियों से अनजान नहीं” (२कुरिंथियो २:११)।

घोषणा

मसीह में मुझे दिए गए अधिकार के द्वारा मैं शैतान और उसके दूतों को अपने पैरो के नीचे रखता हूँ! मैं परमेश्वर की महिमा में जीता हूँ, दैविय स्वास्थ्य, शांति, सुरक्षा, प्रचुरता और आनंद में चलता हूँ। मैं आज सुसमाचार की आशीषों की परिपूर्णता में चलता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

याकूब 4:7; १ पतरस 5:8-9; १ यूहन्ना 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियों 6:1-18 & यशायाह 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमथियुस 5:19-25 & यिर्मयाह 40



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



बुधवार 23

मसीह में जीते हुए



अतः जैसे तू ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में अपने जीवन को जीते रहो
(कुलुस्सियो २:६ एन.आय.व्ही)।

इससे पहले कि हम ऊपर के वचन में पौलुस के अद्भुत समर्पण को देखे, चलिए पढ़ते हैं कि उसने बीसवें वचन में क्या कहा, “जब कि तुम मसीह के साथ संसार की आदि शिक्षा की ओर से मर गए हो, तो फिर क्यों उनके समान जो संसार के हैं जीवन बिताते हो ? तुम ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो” (कुलुस्सियो २:२०)। उसके अद्भुत वार्तालाप को देखिए; वह कहता है कि मसीही इस विश्व में नहीं जीता, इस जीवन के प्राकृतिक स्तर में। तब मसीही कहाँ जीता है ? वह मसीह में जीता है !

जो व्यक्ति नया जन्मा है उसके लिए मसीह नया घर और नया वातावरण है। २कुरिंथियो ५:१७ पर ध्यान दीजिए यह कहता है, “...अगर कोई व्यक्ति मसीह में है”; मसीह एक स्थान है। आपको इस विश्व के कारको के द्वारा प्रभावित, शासित या नियंत्रित नहीं होना चाहिए, क्योंकि आप एक अलग वातावरण में रहते हैं। उस वातावरण में, हर वस्तु सिद्ध है; वहाँ पर असफलता, कमजोरी, हार, बीमारी, रोग, गरिबी या अंधकार की कोई वस्तु नहीं है। वहाँ पर केवल परमेश्वर की महिमा और सत्यनिष्ठा है।

अब आप बेहतर समझ सकते हैं जो हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा, “अतः जैसे तू ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में अपने जीवन को जीते रहो ” मसीह में जीने का अर्थ है कि आप पृथ्वी पर स्वर्ग के राज्य में जी रहे हैं, परिस्थितियों के ऊपर पूरे स्वामीत्व के साथ, बचे हुए, पोषित और उसकी दैविय सामर्थ के द्वारा सुरक्षित। हालैलूयाह !

प्रार्थना

मसीह मेरा घर है; मसीह मेरा जीवन है और मसीह मेरा सबकुछ है! उसमें मैं जीता, चलता हूँ और मेरा अस्तित्व है। मैं केवल उसकी महिमा को देखता हूँ, जो मेरे पास है और मैं उसका अनुभव करता हूँ। मैं परिस्थितियों के आधीन नहीं हूँ; वरन, मैं शासन करता हूँ और मसीह की महिमा और सत्यनिष्ठा को दिखाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियों 3:20-21 AMPC; रोमियों 8:1; २ कुरुंथियों 5:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियों 1:1-14 & यशायाह 11-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमथियुस 6:1-16 & यिर्मयाह 41



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



गुरुवार 24

आपका चमकने का क्षण



तुम विश्व का प्रकाश हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता (मत्ती ५:१४)।

वर्तमान विश्व एक आत्मिक अंधकार में है। यह यीशु के दिनों में भी ऐसा ही था। उसकी गिरफ्तारी पर उसने कहा, “...पर यह तुम्हारी घड़ी है जब अन्धकार का अधिकार है” (लूका २२:५३ एन.एल.टी)। यीशु के स्वर्ग में जाने के बाद, विश्व अंधकार में ही बना रहा। किंतु आप उस अंधकार का समाधान हैं। हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा कि आप विश्व की ज्योति हैं। आपको इन अंत के दिनों में पहले से कहीं अधिक चमकना है, पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा।

हमारा विश्व शैतान के लिए नहीं है; यह प्रभु के लिए है। उसने हमें यहाँ रखा है कि हम विश्व को उसके प्रकाश और आत्मा के स्तर से सत्यनिष्ठा के द्वारा चलाएं। जैसे ही आप विश्वास में चलते हैं, वचन को काम पर रखते हुए और अपने दैविक अधिकारों और मसीह में उत्तराधिकारों पर बल देते हुए, आप अपने प्रकाश को चमका रहे हैं।

विश्व के अंधकार से कोई अंतर नहीं पड़ता— बीमारी, रोग, गरिबी, और उस असुरक्षा के द्वारा जिससे विश्व प्रताड़ित है— आप सशक्त किए गए हैं कि आप मसीह के द्वारा राज्य और शासन करें, वचन के द्वारा। दूसरे लोग आपको देखेंगे और समझ जाएंगे कि एक सच्चा मसीह कौन है; वे आपमें मसीह की श्रेष्ठता और महिमा को देखेंगे।

यशायाह ६०:१-२ कहता है, “उठ, प्रकाशमान हो; क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है, और यहोवा का तेज तेरे ऊपर उदय हुआ है। देख, पृथ्वी पर तो अंधियारा और राज्य के लोगों पर घोर अंधकार छाया हुआ है; परंतु तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रगट होगा।” यह इस अंधकार के विश्व में ज्योति की तरह चमकने का आपका क्षण है सत्यनिष्ठा, समृद्धि, स्वास्थ्य, दिमाग और शरीर की बुद्धिमानी के द्वारा चलने का, जैसा कि परमेश्वर के वचन में गारंटी दी गई है।

प्रार्थना

मैं विश्व की ज्योति हूँ, एक पहाड़ी पर बसा हुआ नगर जो मेरे विश्व में प्रकाश लाता है। मसीह की महिमा और सत्यनिष्ठा मुझ में और मेरे द्वारा दिखाई देती है; मैं समृद्धि और आशीषों में चलता हूँ, दिमाग और शरीर की संपूर्णता में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 60:1-3; यूहन्ना 9:5; फिलिप्पियों 2:15; १ थिस्सलुनीकियों 5:5

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियों 1:15-2:1-10 & यशायाह 13-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 6:17-21 & यिर्मयाह 42



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शुक्रवार 25

परमेश्वर के समय को समझना



फिर उसने मुझ से कहा, हे दानिय्येल, मत डर, क्योंकि पहले ही दिन को जब तू ने समझने— बूझने के लिये मन लगाया और अपने परमेश्वर के सामने अपने को दीन किया, उसी दिन तेरे वचन सुने गए...
(दानिय्येल १०:१२)।

हम परमेश्वर के राज्य में एक बहुत ही विशेष युग में हैं। वचन के ज्ञान के द्वारा, हम आत्मा के द्वारा निर्देशित किए जाते हैं कि हम उसकी योजना और समय के अनुसार जीएँ।

उदाहरण के लिए दानिय्येल ९ में बाइबल हमें बताती है कि जब दानिय्येल इस्त्राएल के बच्चों के साथ निर्वासन में था, तो उसने समझा परमेश्वर के समय को जैसे ही उसने यिमर्याह नबी के लेखों को पढ़ा। उसने देखा कि उन लोगों को सत्तर साल दासता में रहना था और वे अपने दासता के सालों को लगभग पूरा कर चुके थे। किंतु, कुछ भी बदलता हुआ दिखाई नहीं दे रहा था, तो दानिय्येल ने निर्णय लिया कि वह प्रभु को खोजेगा उपवास और प्रार्थनाओं के द्वारा और परमेश्वर के प्रोग्राम को वास्तविकता में लाएगा।

इस्त्राएल में यीशु मसीह की सेवकाई के अंतिम दिनों में, वह यरुशलेम के ऊपर रोया क्योंकि वे उनके प्रभु के आगमन का “समय” नहीं जानते थे। वह प्रभु जिसके लिए वे सालों से इंतजार कर रहे थे वह उनके लिए आ चुका था, किंतु वे उसको नहीं जानते थे। आज भी बहुत से ऐसे ही हैं।

अपनी यह प्रार्थमिकता बना लीजिए कि आप अपने जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा और समय के साथ मेल में होंगे। अत्यधिक रूप से वचनों का अध्ययन कीजिए, और प्रार्थना में समय दीजिए। हम परमेश्वर के द्वारा भेजे गए हैं पृथ्वी पर उसकी इच्छा को लगाने के लिए, यीशु के नाम और पवित्र आत्मा की सामर्थ को इस्तेमाल करने के द्वारा।

किंतु अगर आप परमेश्वर की इच्छा और समय को नहीं जानते हैं, तो पृथ्वी पर वस्तुएँ ऐसे होंगी जो ना तो आपके फायदे में होंगी और ना ही परमेश्वर के फायदे में। यही कारण है कि आपको देशों के लिए आत्मा में प्रार्थना अवश्य ही करनी चाहिए, प्रभु के चर्च के लिए, और पूरे विश्व में सुसमाचार के सेवकों के लिए। इस तरह प्रार्थना कीजिए जैसे कि राज्य आप ही पर निर्भर है, क्योंकि यह है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, आपका धन्यवाद चमत्कारों के एक मौसम के लिए और आपके काम और आशीषों के प्रत्यक्षिकरण के लिए जैसे पहले कभी नहीं हुआ था, जिसके द्वारा चर्च का रैपचर होगा। मैं पूरे विश्व में संतो के लिए प्रार्थना करता हूँ जो कि महान सताव और अन्याय को झेल रहे हैं, कि वे मजबूत हो जाएँगे परमेश्वर की पूरी इच्छा में खड़े रहने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

दानियेल 9:2-4; १ पतरस 5:8-9; १ इतिहास 12:32

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियों 2:11-22 & यशायाह 15-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 1:1-18 & यिर्मयाह 43



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



शनिवार 26

अपने दैविय सार की चेतना



हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है
(१ यूहन्ना ४:४)।

बहुत से लोग ऊपर के वचन में आत्मा की भाषा को नहीं समझते हैं जब यह कहता है, “कि तुम परमेश्वर के हो...”; इसका अर्थ है कि तुम परमेश्वर से आए हो; तुम परमेश्वर से जन्मे हो। यही है जो एक मसीही को दैविय प्राणी बनाता है, ना कि मात्र मनुष्य। हालेलूयाह!

यही पर बहुतो से चूक हो गई; उनकी इस चेतना की कमी कि वे मसीह में वास्तव में है कौन। यूहन्ना प्रेरित ने इसको संबोधित करते हुए १ यूहन्ना ५:१३ में कहा, “मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।” परमेश्वर चाहता है कि आपके पास यह चेतना हो, यह सक्रिय ज्ञान कि उसका जीवन आपमें है। आप एक दैविय जीवन—वाहक है, परमेश्वर के एक वितरक।

प्रभु यीशु के विषय में बात करते हुए बाइबल कहती है, “...उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है। और तुम उसी में पूर्ण हो गए हो...” (कुलुस्सियो २:९-१०)। ध्यान दीजिए इस कथन पर, “कि हम उसमें पूर्ण है...” इसका अर्थ है कि सारी दैवियता आपमें रहती है जैसे कि यीशु में है। कोई आश्चर्य नहीं कि पतरस हमें “परमेश्वर सरिखे के सहभागि” कहता है; दैविय स्वभाव के सहभागि (२ पतरस १:४)।

आप परमेश्वर से भरे हुए या पूर्ण है। “उसमें पूर्ण” का यही अर्थ है; कुछ भी और करने की जरूरत नहीं है कि आप दैविय हो जाएं। यही कारण है कि बीमारी, रोग, या दुर्बलता आपके जीवन का भाग नहीं हो सकती। अगर आप अपने अंदर परमेश्वर के जीवन पर मनन करेंगे, तो आप कभी भी अपने जीवन में बीमार नहीं होंगे।

आप जन्मे थे ना तो लहू से, ना ही शरीर की इच्छा से, ना ही मनुष्य की इच्छा से किंतु परमेश्वर की इच्छा से (यूहन्ना १:१३)। वही जीवन जो परमेश्वर के लिए बीमार होना, हारना या कि उसके साथ “कुछ हो जाएं” असंभव बनाता है, वही है जो आपके अंदर है। इस वास्तविकता की आपकी चेतना आपको अनंत विजयी बनाएगी और आपके जीवन के हर दिन आपको प्रबलता में चलाएगी। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

धन्य हो परमेश्वर ! मेरे पास अपने दैविय सार की चेतना है और मैं इस चेतना में चलता भी हूँ; मैं बीमारी, रोग, मृत्यु और इस विश्व के कारको के ऊपर प्रबलता में जीता हूँ। मुझ में मसीह सबसे बढ़कर है; और मैं आज और हमेशा प्रभु के साथ मेरी एकता का उत्सव मनाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 1:4; यूहन्ना 5:26; १ यूहन्ना 5:11-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 3:1-21 & यशायाह 19-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 2:1-10 & यिर्मयाह 44



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



रविवार 27

एक बच्चे की तरह भरोसा कीजिए



तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन् सम्पूर्ण मन से यहोवा पर
भरोसा रखना (नीतिवचन ३:५)।

भरोसा करने का मतलब भोला होना नहीं है, और इस अंतर को पहचानना बहुत जरूरी है क्योंकि ऐसे भोले लोग होते हैं जो सोचते हैं कि वे भरोसा कर रहे हैं। भोले होने का अर्थ है आसानी से धोखा खा जानेवाले। किंतु बच्चे आसानी से धोखा नहीं खाते हैं; वे वास्तव में भरोसा करते हैं। वे आपके चरित्र पर भरोसा करते हैं। किंतु वयस्क लोग भोले हो सकते हैं। एक वयस्क तर्कवर्तिक करेगा उससे जो उसे बताया जाता है इससे पहले कि वह उस पर भरोसा करे, जिस पर वह भरोसा कर रहा है वह शायद उस व्यक्ति के चरित्र पर इतना ध्यान नहीं देगा।

उदाहरण के लिए, अगर आप एक बच्चे को बालकनी के बाहर पकड़कर खड़े रहेंगे, और किसी दूसरे से पूछें जिस पर बच्चा भरोसा करता है कि वह ग्राउंड फ्लोर पर जाए और उसे पकड़ ले, तो वह बच्चा जाने के लिए तैयार होगा क्योंकि जो जमीन पर है वह उस पर भरोसा करता है। बच्चा यह शायद ना जान पाए कि जो आदमी नीचे खड़ा है उसके पास उसे पकड़ने की योग्यता या सामर्थ्य है भी या नहीं, किंतु वह भरोसा करता है कि वह उसे गिरने नहीं देगा। यही बच्चों सरिखा विश्वास है जो आपको परमेश्वर की ओर रखना चाहिए।

प्रभु यीशु ने हमें मत्ती १८:३ ए.एम.पी.सी में चेताया कि हम छोटे बच्चे की तरह हो जाएं, “...(भरोसा करते हुए, दीन, प्रेमी, और क्षमाशील)...।” वह चाहता है कि आप परमेश्वर के चरित्र पर भरोसा करें। उसका चरित्र उसके वचनों में स्पष्ट किया गया है; वह कभी असफल नहीं होता है। निर्भिकतापूर्वक अपना भरोसा उसमें रखिए, अपने जीवन के लिए उसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए।

कुछ बार, बहुत से लोग शायद परमेश्वर की “सहायता” करने की कोशिश करें, वह करने में जो वह करना चाहता है। शायद, उसने आपके उद्देश्य से जुड़ा एक दर्शन या कुछ विचार दिए हैं, और आप बहुत उत्साही हैं और आप यह देखना चाहते हैं कि सारी बातें सही तरिके से हो जो कि अच्छा है! किंतु अगर आप भरोसा नहीं कर रहे हैं और पवित्र आत्मा के लिए समर्पित नहीं हैं, तो आप शायद “परमेश्वर” का किरदार पूरा करने की कोशिश करेंगे। आप शायद उसके किरदार को निभा रहे होंगे, अपनी बुद्धि के द्वारा

उसकी सहायता करने की कोशिश करते हुए। किंतु आखिरी परिणाम अच्छा नहीं होगा।

सबसे अच्छा यह होगा कि आप उस पर भरोसा करे क्योंकि केवल वही जानता है और उसी के पास आपके जीवन का ब्लू प्रिंट है। अब्राहम से थोड़ा सा सीखिए जिसने परमेश्वर पर भरोसा किया और उसके पीछे चला यद्यपि वह नहीं जानता था कि परमेश्वर उसको कहाँ ले जा रहा है। बाइबल कहती है, “विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे उत्तराधिकार में लेनेवाला था; और यह न जानता था कि मैं किधर जाता हूँ, तौभी निकल गया” (इब्रानियों ११:८)।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं अपना जीवन आपमें सारी वस्तुओं में पूरे हृदय के साथ भरोसा कर के जीता हूँ, आपके वचनों का सहारा लेते हुए और आपके निर्देशों पर काम करते हुए। मैं अपनी योजनाएँ, अभिलाषाएँ और इच्छाएँ आपको समर्पित करता हूँ, पूरी तरह से आश्वस्त होते हुए कि आप मेरी सफलता के लिए मुझ से अधिक रुची रखते हैं और उत्साही हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 3:5-6; भजन संहिता 18:30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियों 4:1-16 & यशायाह 23-24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 2:11-26 & यिर्मयाह 45



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



सोमवार 28

“मिट्टी” को मना कर दीजिए जोकि आपके “कुओं ” को बंद कर सकती है



जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी (यूहन्ना ७:३८)।

यशायाह १२:३ कहता है, “तुम आनन्दपूर्वक उद्धार के कुओं से जल भरोगे।” उद्धार के कुओं का यहाँ पर मतलब मसीह की आशीष है जो कि आपकी आत्मा की गहरी कोठरियों में अंतर्निहित है। बाइबल कहती है कि आपकी आत्मा से जीवन की वस्तुएँ निकलती है। आप अपने अंदर आशीष का एक झरना लेकर चलते हैं।

अब, शैतान हमेशा “कुओ” को बंद करने की कोशिश करता है। जो बाइबल के दिनों में हुआ उसकी रेखा में सोचिए: जब कभी शहर में घुसपैठीये आए, तो उन्होंने मिट्टी के साथ शहर के कुओ को बंद कर दिया, वहाँ के रहिवासीयो को कुंठित करने के लिए। कुएँ वहाँ के लोगो के लिए पानी के स्रोत थे— जीवन का झरना।

इसहाक ने भी पलिशितयो के हाथो इसी क्रम को सहा। इसहाक के केस में, बाइबल दर्ज करती है, “इसलिये जितने कुओं को उसके पिता अब्राहम के दासों ने अब्राहम के जीते जी खोदा था, उनको पलिशितयों ने मिट्टी से भर दिया... और तब जो कुएँ उसके पिता अब्राहम के दिनों में खोदे गए थे, और अब्राहम के मरने के बाद पलिशितयों ने भर दिए थे...” (उत्पत्ति २६:१५,१८)।

उसी तरिके से पलिशितयो ने इसहाक के पानी के कुओ को भी बंद कर दिया था (उसको कुंठित करने के लिए), शैतान भी आपकी आत्मा में जीवित जल के कुओ को बंद करने की कोशिश करता है यह सुनिश्चित करते हुए कि मसीह का आनंद आपके जीवन में दिखाई ना दे। वह आपको उसी आनंद को दूसरो को देने से भी रोकना चाहता है।

आपके “कुओ को” बंद करने के उसके औजारो में कड़वाहट, ईर्ष्या, नफरत, उदासी, अक्षमाशीलता, डर और न्याय का रवैया है। शैतान को अपने जीवन में इस तरह की “मिट्टी” मत डालने दीजिए। उसे पता है जब आप क्रोधित, उदास और ईर्ष्या से भरे होते हैं तब आप खुश नहीं जी पाएँगे, जीवन का आनंद नहीं ले पाएँगे या प्रभाविरूप से अपने विश्व को आशीष नहीं दे पाएँगे।

इसके अतिरिक्त चुनिए कि आप परमेश्वर के प्रेम और आनंद को अपने अंदर से दूसरो तक हर दिन बहने देंगे और शैतान का आपके जीवन में कोई स्थान नहीं होगा।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं उस प्रेम के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ जो मेरे हृदय में पवित्र आत्मा के द्वारा जँडेला गया है, और मेरे हृदय में मसीह की परिपूर्णता के लिए। मैं जीवन में महिमामय रूप से जी रहा हूँ, बड़े कदमों के साथ उन्नति करते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियों 4:31-32; याकूब 3:15-17; इब्रानियों 12:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियों 4:17-5:1-2 & यशायाह 25-26

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 3:1-17 & यिर्मयाह 46



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

कि
प्र
रि

टिप्पणी

वि



मंगलवार 29

अपनी आत्मा के व्यायाम का एक सुनिश्चित तरिका



पर अशुद्ध और बूढ़ियों की सी कहानियों से अलग रह; और भक्ति की साधना कर। क्योंकि देह की साधना से कम लाभ होता है, पर भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है, क्योंकि इस समय के और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा इसी के लिये है
(१ तीमुथियुस ४:७-८)।

भक्ति की साधना का अर्थ है अपनी मानविय आत्मा का व्यायाम, जोकि वास्तविक आप है। और अपनी आत्मा का व्यायाम करने का सुनिश्चित तरिका अन्यभाषाओं में बोलना है; यह आपकी आत्मा को प्रज्वलित रखता है और परमेश्वर के लिए जलाये रखता है। यहूदा १:२० कहता है, “पर हे प्रियो, तुम अपने अति पवित्र विश्वास में उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए।” १ कुरिंथियो १४:४ कहता है, “जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह अपनी ही उन्नति करता है...”।

जो मसीही निरंतर रूप से अन्यभाषाओं में प्रार्थना करते हैं वे आत्मा की वस्तुओं के लिए अधिक संवेदनशील होते हैं। वे पवित्र आत्मा के निर्देशन और नेतृत्व के लिए संवेदनशील होते हैं और उत्तर देते हैं, उनमें कोई धोमापन नहीं होता है। जब आप अधिकतर अन्यभाषाओं में बोलते हैं, तो आपकी आत्मा शिक्षित हो जाती है और प्रभावी रूप से आत्माएँ जीतने के लिए तैयार हो जाती हैं।

अपने दिन को पवित्र आत्मा में बोलकर शुरुवात करने की आदत विकसित कीजिए। और फिर नियमित समयों पर दिन में भी अन्यभाषाओं में बोलिए। सुंदर बात यह है कि आप अपनी साँस के नीचे भी अन्यभाषाओं में बोल सकते हैं जब आप काम पर हैं या अपना व्यवसाय भी कर रहे हैं। यह अपनी आत्मा को शुरु करने का और ऊर्जा देने का सबसे तेज तरिका है।

ऐसे लोग हैं जो अपने शरीरों को दुरुस्त रखने के लिए बहुत ज्यादा चिंतित हैं, बजाए कि वे अपनी आत्माओं के व्यायाम पर ज्यादा ध्यान दें। जैसे ही आप अपने आपको अभ्यासित करते हैं अन्यभाषाओं में अधिकतर बोलने के लिए, तो उन लाभों के अतिरिक्त जो यह आपके जीवन में पैदा करता है, यह आपकी आत्मा को खोलेगा भी परमेश्वर के वचन को ग्रहण करने और समझने के लिए और दैविय जीवन में आपकी यात्रा को

विकसित करने के लिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपके वचन से कितना प्रेम करता हूँ! धन्यवाद मुझे दिखाने के लिए कैसे अन्यभाषाओं में बोलने के द्वारा अपनी आत्मा का व्यायाम करना है और उत्साहीत करना है। मेरी आत्मा आज आपके निर्देशन को ग्रहण करने के लिए सचेत है; और मैं अपने जीवन और अपनी सेवकाई में महान उन्नति कर रहा हूँ, महिमा से महिमा में, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमथियुस 4:7-8 AMPC; १ कुरुस्थियो 14:4 AMPC;
इब्रानियो 5:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:3-21 & यशायाह 27-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमथियुस 4:1-10 & यिर्मयाह 47



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org



बुधवार 30

परमेश्वर के वचनो में विश्वास



...जा, जैसा तेरा विश्वास है, वैसा ही तेरे लिये हो। और उसका सेवक उसी समय चंगा हो गया (मत्ती ८:१३)।

एक बार उसके पुनरुत्थान के बाद प्रभु यीशु उसके चेलों को दिखाई दिया जब वे मच्छली पकड़ने के अपने असफल अभ्यास से लौटे थे। चेलो ने पूरी रात परिश्रम किया था और कुछ नहीं मिला था। तब यीशु ने उनसे कहा, “...नाव की दाहिनी ओर जाल डालो तो पाओगे...” (यूहन्ना २१:६)। बाइबल कहती है, “...उन्होंने जाल फेंका और उसे वापिस नहीं खेंच सके, क्योंकि उन्होंने बहुत सारी मच्छलियाँ पकड़ी थीं” (यूहन्ना २१:६ टी.ई.व्ही)।

सोचिए अगर उन्होंने यीशु के साथ बहस की होती! उनके पास उसके वचनो पर भरोसा था और मच्छलियाँ वही से आई - परमेश्वर के वचन से। बाइबल कहती है, “विश्वास ही से हम जान जाते हैं कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है...” (इब्रानियों ११:३)। मच्छलियाँ स्वामी के वचन के द्वारा बनाई गई थी। यीशु ने हमें एक उदाहरण दिया कि हम कैसे हर दिन विजयी रूप से जीएँ, कैसे वचनो में विश्वास के द्वारा हम चमत्कारिकता का अनुभव करें।

इसको सोचिए: एक सूबेदार का नौकर बीमार था और मर रहा था। तब उस सूबेदार ने यहूदियों के प्राचीनो से विनती की कि वे यीशु से कहे कि वह आकर उसके नौकर को चंगा करे। स्वामी सहमत हो गया, किंतु तुरंत ही उस सूबेदार ने यीशु के पास यह वचन भेजे कि, “आपको मेरी छत के नीचे आने की जरूरत नहीं है, केवल वचन बोलो, और मेरा नौकर चंगा हो जाएगा” (लूका ७:२-७)।

जब यीशु ने सूबेदार के वचनो को सुना, तो बाइबल कहती है कि उसने उसके विश्वास पर आश्चर्य किया और कहा, “मैं ने इतना महान विश्वास नहीं देखा, नहीं इस्त्राएल में तो नहीं।” जब संदेशवाहक सूबेदार के घर वापिस पहुँचे, तो उन्होंने बीमार नौकर को यीशु के वचन के द्वारा संपूर्ण रूप से चंगा पाया (लूका ७:९-१०)।

आपकी इच्छा क्या है? आप किस क्षेत्र में एक बदलाव या चमत्कार चाहते हैं? परमेश्वर के वचनो में अपने विश्वास को लगाईये। परमेश्वर का वचन हर परेशानि का समाधान है। आपको आत्महत्या नहीं करनी है क्योंकि आपने अपनी नौकरी या व्यवसाय खो दिया है। आप कुछ और बेहतर के लिए प्रभु पर भरोसा कर सकते हैं। यह वह परमेश्वर है जो मरे हुए को जीवित करता है (जीवन देता है)। वह आपको जो आपने खोया था वापिस दे सकता है, और उससे बढ़कर भी।

ठीक अभी उसके वचन पर कार्य कीजिए। उसने यूहन्ना १४:१४ में कहा, “यदि तुम

मुझ से मेरे नाम में कुछ माँगोगे, तो मैं उसे करूँगा”; जो कुछ आप चाहते हैं उससे माँगिए, जानते हुए कि वह अपने वचन के द्वारा बंधा हुआ है और वह कभी असफल नहीं होता।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद आपके बहुमूल्य वचन के लिए जो मेरी आत्मा में आपके विश्वास को मजबूत करता है और मुझे जीवन की सारी चुनौतियों के ऊपर और आगे रख देता है। आपका वचन मेरे हृदय में विश्वास के साथ मिला हुआ है; इसलिए, मेरा विश्वास जीवित और सक्रिय है, परिस्थितियों के ऊपर प्रबलता पाते हुए, और उन्हें मेरे लिए आपकी सिद्ध इच्छा के साथ मेल कराते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 10:17; २ कुरुथियो 4:13; इब्रानियो 11:6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:22-6:1-9 & यशायाह 29-30

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 4:11-22 & यिर्मयाह 48



Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

कि
प्र
रि

HINDI

टिप्पणी

वि

उद्धार की प्रार्थना

हम विश्वास करते हैं कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए हैं। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते हैं:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मैं अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुआ मे से जीवित किया। मैं विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मैं अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मैं नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मैं परमेश्वर की एक संतान हूँ। हललुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान हैं। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ़ सकते हैं, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:

+44 (0)1708 556 604

+44 (0)08001310604

SOUTH AFRICA:

+27 11 326 0971

NIGERIA:

+234 1 8888186

USA:

+1(800) 620-8522

CANADA:

+1 416-667-9191

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोरेटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के हृदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडकास्ट “चमत्कारो के लिए वार्तावरण,” के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटवर्कों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है— एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, कूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

टिप्पणी

कि
प्र
रि

टिप्पणी

वि

टिप्पणी

कि
प्र
रि